दैनिक पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 52 | ग्वालियर, रविवार 3 नवम्बर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

अयोध्या के दीपोत्सव कार्यक्रम में बोले सीएम योगी-

यह वर्ष अयोध्या के लिए अद्भुत, अनुपम, अलौकिक

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में पर्यटन ऐप लॉन्च किया और अयोध्या के मेयर द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया

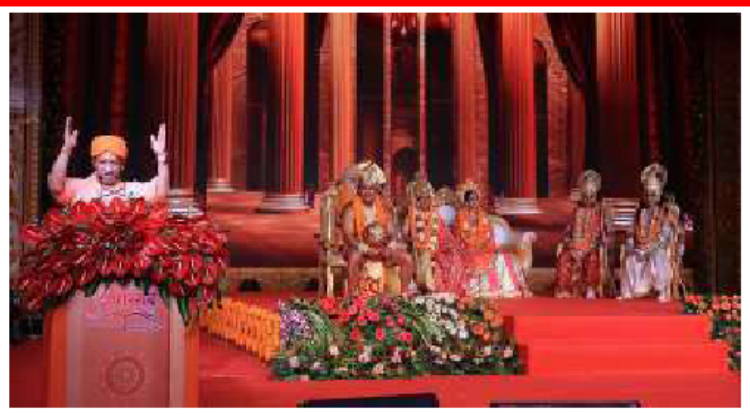

अयोध्या, एजेंसी। अयोध्या में आज भव्य दिपोत्सव मनाया जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की मौजूदगी में पर्यटन ऐप लॉन्च किया और अयोध्या के मेयर द्वारा लिखित पुस्तक का विमोचन किया। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने भगवान राम, लक्ष्मण और सीता की भूमिका निभाने वाले कलाकारों के माथे पर तिलक लगाया। इस दौरान योगी ने अपने संबोधन में कहा कि 8 साल पहले जब हम पहली बार दीपोत्सव मनाने आए थे तो भीड़ में उत्साह था और एक ही आवाज गूंज रही थी और एक ही नारा लग रहा था कि "योगी जी एक काम करो मंदिर का निर्माण करो"। मैंने उस समय कहा था कि विश्वास रखो आज जो दीये आप जलाएंगे वो सिर्फ दीये नहीं हैं, वो सनातन धर्म की आस्था है। भगवान राम की कृपा अवश्य बरसेगी। योगी ने आगे कहा कि मैंने सभी से कहा कि भगवान राम जल्द ही हम सभी को आशीर्वाद देंगे, और हम सभी पीएम मोदी और उनकी दूरदर्शिता के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि 5 अगस्त, 2020 को जब पूरी दुनिया कोविड–19 से जूझ रही थी, तब पीएम ने अयोध्या का दौरा किया और राम मंदिर की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि यह वर्ष अयोध्या के लिए अद्भुत, अनुपम, अलौकिक है जब इस वर्ष 500 वर्षों का इंतजार समाप्त करके एक बार फिर राम लला अपने धाम में विराजमान होकर दुनिया को सभी पीढ़ियों को ये संदेश दे गए कि कभी भी अपने पथ से विचलित नहीं होना चाहिए। भाजपा नेता ने कहा कि आज हमारे पास यह अवसर है उन सभी आत्माओं को स्मरण करने का जिनका पूरा जीवन राम जन्मभूमि आंदोलन के लिए समर्पित था। मैं इस अवसर पर उन सभी पूज्य संतों को नमन करता हूं। जो 3.5 लाख की संख्या में अपनी शहादत देकर एक ही तमन्ना के साथ इस धरा से अस्थिवदा हो गए कि अयोध्या में चाहें कुछ भी हो इस धरा पर राम मंदिर का निर्माण होना चाहिए. .. उनका संकल्प पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि राम लला के विराजमान होने के बाद ये दीपोत्सव का पहला अवसर है। इससे पहले हम लोग बोलते थे और जो हमने कहा वो करके भी दिखाया।

भारतीय युवा नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ : मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारतीय युवा नवाचार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हैं। प्रधानमंत्री ने यह बात टिप्पणी माइक्रोसॉफ्ट के डेवलपर प्लेटफॉर्म 'गिटहब' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) थॉमस डोह्मके की उस टिप्पणी के जवाब में कही जिसमें उन्होंने कहा था कि वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज के रूप में भारत के उदय को रोकना मुश्किल है। डोह्मके ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, "बेशक, मुझे भारत के लिए कुछ प्यार दिखाना होगा। अब भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती डेवलपर आबादी है और वैश्विक 'टेक टाइटन' के रूप में भारत के उदय को रोकना मुश्किल है।" उन्होंने कहा कि भारत के डेवलपर्स एक लंबी छलांग लगा रहे हैं क्योंकि वे एआई बनाने के लिए एआई (कृत्रिम मेधा) का लगातार उपयोग कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "सार्वजनिक उत्पादक एआई परियोजनाओं में योगदानकर्ताओं की संख्या के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। इससे इस बात की अधिक संभावना है कि अगली बड़ी एआई बहुराष्ट्रीय कंपनी इस महाद्वीप से निकलेगी।" डोह्मके ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, "बेशक, मुझे भारत के लिए कुछ प्यार दिखाना होगा। अब भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती डेवलपर आबादी है और वैश्विक 'टेक टाइटन' के रूप में भारत के उदय को रोकना मुश्किल है।" इस पर प्रतिक्रिया देते हुए मोदी ने कहा, "जब नवोन्मेष और प्रौद्योगिकी की बात आती है तो भारतीय युवा सर्वश्रेष्ठ हैं। डोह्मके ने कहा कि उनके मंच पर जनरेटिव एआई परियोजनाओं में अमेरिका के बाद भारतीय दूसरे सबसे बड़े योगदानकर्ता हैं।

एक इनामी महिला नक्सली समेत पांच नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में पांच लाख रुपए की इनामी महिला नक्सली समेत पांच नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि गढ़चिरौली डिवीजन के अंतर्गत अहेरी एरिया कमेटी की सदस्य (एसीएम) सुशीला उर्फ बुज्जी ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है। उसके सर पर पांच लाख रुपए का इनाम था। उन्होंने बताया कि इसके साथ ही जिले में चार अन्य नक्सलियों सुखराम मोड़ियाम, सुदरू फोरसा, लक्खू फरसा और सन्नू माड़वी ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों ने माओवादियों की भेदभाव पूर्ण नीति, उपेक्षा तथा विचारधारा से क्षुब्ध होकर और राज्य शासन की नियद नेल्ला नार" (आपका अच्छा गांव) योजना से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों के खिलाफ पुलिस दल पर हमला, हत्या और शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने समेत अन्य कई नक्सली घटनाओं में शामिल होने का आरोप है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को उत्साहवर्धन के लिए राज्य शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत 25–25 हजार रुपए नगद प्रदान किये गये हैं। उन्होंने बताया कि वर्ष 2024 में जिले में अब तक कुल 185 माओवादियों ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया है तथा विभिन्न माओवादी घटनाओं में शामिल 411 माओवादियों को गिरफ्तार किया गया है।

पीएम मोदी को भजनलाल ने दिवाली की दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली/जयपुर एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने बुधवार को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक एवं रोशनी का पर्व दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दी।

श्री शर्मा ने नई दिल्ली में श्री मोदी से मुलाकात कर उन्हें दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं दी। उन्होंने दीपावली के विशेष उपलक्ष्य पर देशवासियों को सुख एवं समृद्धि की कामना के साथ श्री मोदी से शिष्टाचार भेंट की और इस पर्व की शुभकामनाएं दी।

ओडिशा में महाराष्ट्र के खानाबदोश समूह के पांच सदस्यों की हत्या

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के करमडीही गांव में मंगलवार देर रात विवाहेतर संबंध को लेकर हुए संघर्ष में महाराष्ट्र से आये खानाबदोश समूह की तीन महिलाओं सहित पांच लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गयी और चार अन्य घायल हो गये। पुलिस ने बुधवार को बताया कि महाराष्ट्र के वर्धा के खानाबदोशों के दो समूह जो पिछले कुछ महीनों से ओडिशा के एक गांव में रह रहे थे, विवाहेतर संबंध को लेकर आपस में भिड़ गये। झगड़ा तब शुरू हुआ जब एक समूह का अविनाश पवार दूसरे समूह की एक महिला को जबरन ले आया, क्योंकि उसकी पत्नी के उसी समूह के एक व्यक्ति के साथ विवाहेतर संबंध चल रहे थे। अविनाश पवार का समूह सो रहा था, तभी दूसरे समूह के सदस्यों ने कथित तौर पर उन पर घातक हथियारों से हमला किया जिससे पांच लोगों की मौत हो गयी। इस घटना में अविनाश एक महिला और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने बताया कि हमलावरों ने अविनाश की दूसरी पत्नी और दो बच्चों का अपहरण कर लिया। नृशंस हत्याओं की सूचना मिलने पर पश्चिमी रेंज के पुलिस उप महानिरीक्षक बृजेश रे, सुंदरगढ़ के पुलिस अधीक्षक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मामले की जांच के लिए फोरेंसिक टीमों और श्वान दस्ते के साथ गांव पहुंचे। पुलिस ने कहा, "घायलों को सुंदरगढ़ जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।"

अरुणाचल प्रदेश में युद्ध स्मारक, सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण करेंगे राजनाथ

नई दिल्ली, एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बृहस्पतिवार को मेजर रालेंगनाओ बॉब खाथिंग की समर्पित वीरता संग्रहालय का उद्घाटन करने और भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की एक प्रतिमा का अनावरण करने के लिए बृहस्पतिवार को अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले का दौरा करेंगे। अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि सिंह भारत–चीन सीमा पर तैनात सैनिकों के साथ दिवाली मनाएंगे। उन्होंने बताया कि मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर यह सूचना साझा करते हुए राजनाथ सिंह और मणिपुर के मुख्यमंत्री दोनों का राज्य में स्वागत किया। खांडू ने पोस्ट में कहा, "मणिपुर के माननीय मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह जी और अन्य गणमान्य लोगों की गरिमामयी उपस्थिति में उनके (राजनाथ सिंह) द्वारा तवांग में मेजर रालेंगनाओ बॉब खाथिंग वीरता संग्रहालय का उद्घाटन और भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा देश का वल्लभ का अनावरण आने वाले युगों तक स्मृति में संजोकर रखा जाएगा।" उन्होंने कहा, "फरवरी 1951 में भारतीय प्रशासन को तवांग में लाने के लिए एक अभियान का बहादुरी से नेतृत्व करने वाले मेजर रालेंगनाओ बॉब खाथिंग के वीरतापूर्ण कार्य की मानव इतिहास में कोई समानता नहीं है। भारत के पहले गृह मंत्री के रूप में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने कई रियासतों को देश में एकीकृत करके जो किया, वह हमें हमेशा के लिए उनका ऋणी बना देता है। मैं अरुणाचल प्रदेश के लोगों की ओर से माननीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी का सुबह की रोशनी से जगमगाते पहाड़ों की पवित्र भूमि पर हार्दिक स्वागत करता हूं।" सिंह ऐसे वक्त में तवांग का दौरा कर रहे हैं जब भारत और चीन पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर गश्त को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौते पर पहुंच गए हैं।

जो लोग जम्मू–कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाना चाहते थे, वे विफल हो चुके हैं : फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर एजेंसी। नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेका) के अध्यक्ष फारुक अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान जम्मू–कश्मीर में कभी सफल नहीं होगा और जो लोग इस क्षेत्र को पाकिस्तान में मिलाना चाहते थे, वे असफल हो चुके हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अब्दुल्ला ने कहा, "भारत की ताकत एकता में विविधता है और देश की शांति, प्रगति तथा विकास के लिए हमें भाईचारे को मजबूत कर एक–दूसरे के प्रति नफरत को दूर करना होगा।" शहर के मध्य स्थित प्रसिद्ध रघुनाथ बाजार के दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में अब्दुल्ला ने कहा कि लोगों को नयी सरकार से काफी उम्मीदें हैं और उन्हें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में जम्मू कश्मीर विकास के रास्ते पर लौटेगा तथा नयी ऊंचाइयों पर पहुंचेगा।

आज गुजरात दौरे पर पीएम मोदी, 280 करोड़ के परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास और उद्घाटन

- कार्यक्रम में 653 प्रशुभु अधिकारी होंगे शामिल

अहमदाबाद, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30–31 अक्टूबर को अपने गृह राज्य गुजरात के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह केवडिया में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे और राज्य को 280 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न बुनियादी ढांचा और विकास परियोजनाओं की सौगात भी देंगे। पीएमओ के मुताबिक, प्रधानमंत्री बुधवार को केवडिया में 280 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इनका उद्देश्य पर्यटक अनुभव को बढ़ाना, पहुंच में सुधार करना और क्षेत्र में सतत विकास पहल का समर्थन करना है। शाम को वह 99वें कॉमन फाउंडेशन कोर्स के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करेंगे। इस वर्ष कार्यक्रम का विषय आत्मनिर्भर और विकसित भारत के लिए रोडमैप है। कार्यक्रम में भारत की 18 सिविल सेवाओं और भूटान की 3 सिविल सेवाओं के 653 प्रशिक्षु अधिकारी शामिल होंगे। पीएम 31 अक्टूबर को सुबह करीब 7:15 बजे स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार वल्लभभाई पटेल को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। प्रधानमंत्री एकता दिवस की शपथ दिलाएंगे और एकता दिवस परेड को साक्षी बनेंगे, जिसमें 9 राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश पुलिस, चार केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, एनसीसी और एक मार्चिंग बैंड के 16 मार्चिंग दल शामिल होंगे।

आयुष्मान भारत योजना एक बड़ा घोटाला : केजरीवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप)के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को केंद्र सरकार की आयुष्मान भारत योजना को बड़ा घोटाला करार देते हुए देशभर में दिल्ली की बेहतरीन स्वास्थ्य मॉडल को लागू करने की सलाह दी। श्री केजरीवाल ने आज कहा," आयुष्मान भारत योजना के बारे में नियंत्रक–महालेखापरीक्षक(कैग) का कहना है कि इसमें बहुत

सारे घोटाले हैं। आयुष्मान भारत योजना कहती है कि जब आप अस्पताल में भर्ती होंगे तब आपका पांच लाख तक का इलाज होगा, जबकि दिल्ली में हमारी योजना के तहत आपको सर्दी–जुकाम भी हो तो ओपीडी, आईपीडी में जाकर इलाज मुफ्त में करवा सकते हैं। आप भर्ती हो या न हो आपका सारा इलाज मुफ्त होता है। यहां कोई पांच लाख रुपए की सीमा नहीं है। जब यहां दवाइयां टेस्ट, ओपीडी, आईपीडी, नियमित जाँच से लेकर सबकुछ मुफ्त है तो दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना लागू करने का कोई मतलब नहीं रह जाता है।" 'आप' की मुख्य प्रवक्ता प्रियंका कक्कड़ ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की सरकार ने एक ऐसा स्वास्थ्य मॉडल पेश किया है, जिसकी तारीफ संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान को भी करनी पड़ी थी।

नीतीश ने 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों का किया लोकार्पण

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों का लोकार्पण किया। श्री कुमार ने बुधवार को यहां एक, अणे मार्ग से सड़क सुरक्षा एवं निर्बाध यातायात व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण के लिए 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने 38 राजमार्ग गश्ती वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने वाहनों के लोकार्पण के पूर्व उसका निरीक्षण किया तथा उसकी कार्य प्रणाली के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। उल्लेखनीय है कि इन राष्ट्रीय राजमार्ग गश्ती वाहनों को जा सके। साथ ही प्रभावी कार्रवाई के लिए इस पर लगे उपकरणों

इमरजेंसी रिस्पांस स्पोर्ट सिस्टम के डायल–112 से सम्बद्ध किया गया है ताकि आपातकालीन परिस्थिति में इन वाहनों को घटनास्थल पर अविलम्ब भेजा के माध्यम से वाहन अथवा नियंत्रण कक्ष से केन्द्रीकृत समाधान का प्रावधान किया गया है। इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, विकास आयुक्त प्रत्यय अमृत, पुलिस महानिदेशक आलोक राज, गृह विभाग के प्रधान सचिव अरविंद कुमार चौधरी, परिवहन विभाग के सचिव संजय कुमार अग्रवाल, मुख्यमंत्री के सचिव अनुपम कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक (विशेष शाखा) सुनील कुमार, अपर पुलिस महानिदेशक, यातायात सुधांशु कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव कुमार रवि, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी गोपाल सिंह, गृह विभाग के सचिव प्रणव कुमार, राज्य परिवहन आयुक्त नवीन कुमार सहित अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित।

आरएसएस प्रमुख भागवत प्रचारकों के पांच दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने ग्वालियर पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय मोहन भागवत 31 अक्टूबर से शुरू (पूर्णकालिक स्वयंसेवकों) के मंगलवार को ग्वालियर पहुंचे। संघ दोपहर को ग्वालियर पहुंचे। यह शिशु मंदिर (आरएसएस से जुड़े श्रृंखला) में ठहरेंगे। उन्होंने बताया कि शिविर में पूरे भारत से 554 संघ प्रचारक भाग लेंगे। इससे पहले एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया था कि शिविर, अखिल भारतीय वर्ग 31 अक्टूबर से चार नवंबर तक आयोजित किया जाएगा, जिसमें 31 संबद्ध संगठनों के प्रचारक भाग लेंगे। भागवत के अलावा, आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबोले और अन्य शीर्ष पदाधिकारी भी शिविर में भाग लेंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में संघ द्वारा किए जा रहे कार्यों पर चर्चा होगी। इस अखिल भारतीय वर्ग का आयोजन चार–पांच साल में एक बार किया जाता है।

स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख होने वाले संगठन के प्रचारकों प्रशिक्षण शिविर में भाग लेने के लिए के एक पदाधिकारी ने बताया कि भागवत प्रशिक्षण शिविर के दौरान सरस्वती संगठन द्वारा संचालित स्कूलों की एक

साथ मिलकर करें काम, कथा वाचक हिमांगी सखी को मिला किन्नर अखाड़े से ऑफर

देश की पहली किन्नर कथा वाचक हिमांगी सखी के ऐलान पर किन्नर अखाड़े ने सधी हुई प्रतिक्रिया दी है. किन्नर अखाड़े की महामंडलेश्वर और प्रदेश अध्यक्ष साध्वी कौशल्यानंद गिरि उर्फ टीना मां ने कहा है कि जब सभी का मकसद एक है तो साथ मिलकर काम करना चाहिए. अलग-अलग रहने से उद्देश्य प्रभावित होगा. बता दें कि पांच भाषाओं में भागवत कथा सुनाने वाली हिमांगी सखी ने प्रयागराज महाकुंभ में अलग अखाड़ा बनाने का ऐलान किया है

शिक्षा चेतना जनसंवाद पैदल - पैदल यात्रा मैं शामिल हुए नगर परिषद उपाध्यक्ष

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ.बेताल सिंह गौड़

महामानव महात्मा ज्योतिबा राव फुले एवं माता सावित्री बाई फुले जी कि शिक्षा चेतना जनसंवाद पैदल -पैदल यात्रा यात्रा दिनांक 29/10/2024 से 02/11/2024 तक यात्रा पाँच दिवसीय विश्व विद्यालय (यूनिवर्सिटी) निर्माण संकल्प पैदल यात्रा ग्वालियर से प्रारम्भ और मल्हंड जिला भिण्ड में समापन किया जाएगा

यात्रा का लक्ष्य – शिक्षा के प्रति जन जन को जागरुक करना विश्व विद्यालय का निर्माण संकल्प एवं निःशुल्क शिक्षा सामग्री वितरण करना है यह यात्रा मौ नगर से होकर निकली इस यात्रा में मौ नगर परिषद उपाध्यक्ष पंकज कुशवाह, समाजसेवी विनोद भारती , समाजसेवी बाबूलाल कुशवाहा , समाजसेवी भगवान सिंह कुशवाहा ,अशोक सर, पार्षद विमल कुशवाह, संतोष कुशवाहा, रवि कुशवाह, कई कुशवाहा समाज के समाज सेवी शामिल हुए

विधायक श्री पाटीदार ने की गोवर्धन पूजा गौ सेवा से बड़ी और कोई सेवा नहीं

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

02 नवम्बर को शासन निर्देशानुसार तालाब चौक स्थित गौशाला में क्षेत्रीय विधायक श्री बालकृष्ण पाटीदार द्वारा गोवर्धन पूजन किया गया। इस अवसर पर विधायक श्री पाटीदार द्वारा गौवंश के द्वारा देश की अर्थव्यवस्था में योगदान के बारे में उपस्थित जन के समक्ष विस्तार से अपनी बात रखी। इस अवसर पर विधायक श्री पाटीदार के द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रो के गौसेवको को शाल, श्रीफल एवं प्रशस्ती पत्र प्रदान किये गये।इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री बाबुलाल महाजन, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री भोलू कर्मा, सभापति श्री धीरेंद्र चौहान, वार्ड नं. 03 के पार्षद प्रतिनिधी श्री अरविंद पाटीदार, पार्षद श्रीमति गायत्री चंदेल, पार्षद श्री संतोष वर्मा, पार्षद श्री हिरा परमार तथा गौशाला के ट्रस्टी श्री नरेन्द्र गांधी, श्री गणपति महाजन, श्री बालूसेठ, श्री रमणलाल महाजन, श्री द्वारकादास भण्डारी एवं अतिथिगण उपस्थित

गौ सेवा ही ईश्वर सेवा हैं, संतोष शर्मा

अंबाह, ।मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की सहयोगी नवांकुर मदर संस्था सक्षम फाउंडेशन अंबाह व विजय राम दास समिति पोरसा के संयुक्त तत्वावधान में आज गोवर्धन पर्व के उपलक्ष्य में नागाजी गौ शाला पोरसा में जाकर समिति के पदाधिकारियों व समाज सेवियों द्वारा गौ सेवा के कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे सर्व प्रथम गौ शाला में गायों का पूजन कर प्रसाद सामग्री का वितरण किया गया तत्पश्चात गायों को प्रसाद के रूप में केला खिलाकर उनकी सेवा की वह गौ शाला की देख रेख कर रहे भदौरिया जी के साथ विस्तार से चर्चा कर गौ सेवा की प्रक्रिया को जाना जिसमे यह बात निकल कर सामने आई की गौ शाला में अधिकांश गाय विकलांग हैं जिसमें किसी की आंखे नहीं कोई पैरों से लाचार है जिनकी सेवा की जा रही हैं साथ ही नील गाय के दो छोटे बच्चे अभी कुछ दिन पूर्व गौ शाला में किसी ने कुत्तों से बचा कर दान में दिए है जो अब पूर्ण स्वस्थ्य हैं गौ सेवा में सक्षम फाउंडेशन अंबाह के अध्यक्ष प्रदीप कुमार तथा विजय राम दास समिति पोरसा से डॉ मनोज लहारिया, समाज सेवी संतोष शर्मा, इंफोसिस के मैनेजर अमित मिश्रा, डॉ लाल सिंह किरार, दिलीप जैन आदि लोग उपस्थित रहे।

सुख और समृद्धि का वास बना रहे जिसके लिए गौ माता की सेवा करना हमारा नैतिक अधिकार - विधायक नरेंद्र सिंह

विधायक श्री कुशवाह ने गौवर्धन जी की पूजा की और गौवंश के कल्याण के लिए विचार विमर्श किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । दीपावली त्योहार के अवसर पर श्री गोवर्धन पूजा कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सागर में श्याम गिरी गौशाला में जिला स्तरीय गौवर्धन, पूजा और गौ पूजन कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता क्षेत्रीय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कार्यक्रम में शामिल होकर श्री गोवर्धन महाराज की पूजा अर्चना की और गोवंश के कल्याण के लिए विचार विमर्श किया। वहीं उन्होंने अपने हाथों से गौशाला में समस्त गायों को चारा एवं रोटी खिलाकर आशीर्वाद ग्रहण किया। गोवर्धन पूजा में क्षेत्रीय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने श्याम गिरी आए गौशाला में आयोजित गोवर्धन पूजा के अवसर पर कहा की मध्य प्रदेश कि भाजपा सरकार गोवंश के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है हर गांव में गौशालाएं बनाकर गायों की समस्या का समाधान भी किया जा रहा है उन्होंने कहा गाय की सेवा करना हमारे भारतीय संस्कृति की एक मुख्य पहचान है जिस घर में गौ माता की सेवा होती है वहां भगवान स्वयं वास करते हैं ।देवताओं का सेवा करने का हम सबको अवसर प्रदान होता है,मध्य प्रदेश सरकार ने गौशाला में पूर्ण सुविधाओं के साथ गुणवत्ता आधार पर गौशाला का निर्माण आगे बढ़ने का काम किया है उनके पूरे खान-पांन की चिंता मध्य प्रदेश सरकार कर रही है हम सब की भी जिम्मेदारी है की गौशाला का संचालन और गायों की सेवा समय निर्धारित अनुसार हो ताकि गौशाला में शासन स्तर पर सुविधा उपलब्ध हो सके इसके लिए हम सबको स्वयं अपनी जिम्मेदारी उठाना पड़ेगी। विधायक श्री कुशवाह ने कहा कि गाय को पहली रोटी खिलाने से मिलते कई लाभ, खुल जाते हैं बंद किस्मत के ताले हिंदू धर्म में गाय को केवल एक जानवर के रूप में नहीं देखा जाता बल्कि माता के रूप में पूजा जाता है। इसके साथ ही शास्त्रों में पहली रोटी गाय के लिए निकलने का विधान है ऐसा करना बहुत ही पुण्यकारी माना जाता है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि गाय को पहली रोटी खिलाने से व्यक्ति को जीवन में क्या-क्या लाभ देखने को मिल सकते है गाय को पहली रोटी खिलाने के फायदे। गाय में माना गया है 33 कोटि देवी-देवताओं का वास।पहली रोटी गाय को खिलाने का है विधान।गौ सेवा से होती है पुण्य फलों की प्राप्ति हिंदू धर्म में कई जानवरों को पूजनीय माना गया है, जिसमें से गाय भी एक है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, गाय को गौ माता कहा जाता है। गौ माता को रोटी खिलाना और उनकी सेवा करना बहुत ही लाभकारी माना गया है। ऐसे में यदि आप रोजाना गाय को पहली रोटी खिलाते हैं, तो इससे आपको जीवन में अद्भुत लाभ देखने को मिल सकते हैं।बनी रहती है देवी-देवताओं की कृपा हिंदू शास्त्र के अनुसार, गाय में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास माना गया है। साथ ही यदि आप पहली रोटी गाय को खिलाते हैं, तो इससे देवी-देवता प्रसन्न होते हैं, जिससे आपके और आपके परिवार के देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है।देवी लक्ष्मी होती हैं प्रसन्न शास्त्रों के मुताबिक, पहली रोटी गाय खिलाने से व्यक्ति को पुण्य फलों की प्राप्ति होती है और घर-परिवार में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। साथ ही गौ माता की सेवा करने और रोटी खिलाने से व्यक्तियों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन भर वह स्वस्थ रहता है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव जी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना भदौरिया, एवं ग्राम पंचायत सरपंच, अवधेश सिंह ग्रामीण जन काफी संख्या में मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान गौ सेवकों का सम्मान विधायक कुशवाह ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जिसमें लालजी सिंह कृष्ण पाल सिंह धर्मवीर सिंह सुनील सिंह राजावत भानु प्रसाद सिंह राजावत कैलाश सिंह विनोद सिंह बृजेंद्र सिंह रसाल सिंह जय सिंह विशंभर सिंह राम बहादुर सिंह योगेंद्र पाल सिंह प्रमुख शामिल है।

बुंदेलखंड का 'मौनिया'-मौन व्रत रख कर लोक नृत्य

जगदीश राय (मोनू) पाली

बुंदेलखंड में ऐसी कई परम्पराएं और लोक साहित्य है जो यहाँ की अपनी एक अलग पहचान बनाता है। पर काल के गर्त में धीरे-धीरे ये परम्पराएं समाप्त होती जा रही हैं। अच्छी बात ये भी है कि इन लोक परम्पराओं को बचाने और जीवन्त बनाये रखने के लिए कई लोग और संगठन कार्य भी कर रहे हैं। ऐसी ही एक परम्परा है दिवारी गीत और मौनिया नृत्य। चरवाही संस्कृति के प्रतीक, मौनिया नृत्य के नर्तक मौन धारण कर यह नृत्य करते हैं। ये काल की गति है कि जिस गोवंश के लिए यह नृत्य होता है उस गोवंश से अब लोगों का नाता टूटता जा रहा है।वैसे तो बुंदेलखंड में हर काल खंड के अपने अपने अलग अलग लोक गीत और लोक नृत्य हैं, जो इस अंचल की जीवंतता और लोक मनोरंजन के साधन हुआ करते थे, इनमें सबसे ड़ास बात यही रहती थी कि इनके माध्यमों से समाज में एक सन्देश देने का भी प्रयास होता था। ऐसा ही एक नृत्य है दिवारी जिसे मौनिया नृत्य भी कहते हैं। दीपावली के समय होने वाले इस लोक नृत्य की लयबद्धता देखते ही बनती है। इस मौनिया नृत्य में एक गाने वाला रहता है, जो लोक गीत के पद गाता है लोकवाद्य, ढोलक और नगड़िया की थाप पर दल के बाकी सदस्य मौन रहकर हाथ में लाठी और मोर पंख लिए नाचते थिरकते हैं। उनके नाचने और थिरकने में गो वंश की अनुभूति सहज ही हो जाती है।दिवाली के दूसरे दिन जहां इनके ये दल हर गली और नुक्कड़ पर दिख जाते थे, अब सीमित होते जा रहे हैं। दिवारी गीत मूलतः चारागाही संस्कृति के गीत हैं, यही कारण है कि इन गीतों में जीवन का यथार्थ मिलता है। फिर चाहे वह सामाजिकता हो या धार्मिकता, अथवा श्रृंगार या जीवन का दर्शन। ये वे गीत हैं जिनमें सिर्फ जीवन की वास्तविकता के रंग हैं, बनावटी दुनिया से दूर, सिर्फ चारागाही संस्कृति का प्रतिबिम्ब। अधिकाँश गीत नीति और दर्शन के हैं। ओज से परिपूर्ण इन गीतों में विविध रसों की अभिव्यक्ति मिलती है।

काल खंड-दिवारी गीत दिवाली के दूसरे दिन उस समय गाये जाते हैं जब मौनिया मौन व्रत रख कर गाँव-गाँव में घूमते हैं। दीपावली के पूजन के बाद मध्य रात्रि में मौनिया-व्रत शुरू हो जाता है। गाँव के अहीर-गडरिया और पशु पालक तालाब, नदी में नहा कर, सज-धज कर मौन व्रत लेते हैं। इसी कारण इन्हें मौनिया भी कहा जाता है। इनके साथ चलते हैं गायक और वादक। वादक अपने साथ ढोल, नगड़िया और मंजीरा रखते हैं, तो कहीं-कहीं मृदंग और रमतूलों का भी उपयोग होता है। गायक जब छंद गीत का स्वर छेड़ता है तो वादक उसी अनुसार वाद्य यंत्र का उपयोग करता है। मौनिया कौड़ियों से गुंथे लाल, पीले रंग के जांघिये और लाल पीले रंग की कुर्ती या सलूका अथवा बनियान पहनते हैं, जिस पर झूमर लगी होती है। पाँव में घुंघरू, हाथों में मोर पंख अथवा चाचर के दो डंडे का शस्त्र लेकर जब वे चलते हैं तो एक अलग ही अहसास होता है। मौनियों के इस निराले रूप और उनके गायन और नृत्य को देखने खजुराहो में विदेशी भी ठहर जाते हैं।

इतिहास-दिवारी गीतों का चलन कब शुरू हुआ इसको लेकर अलग अलग मान्यताएं हैं। कुछ कहते हैं कि दिवारी गीतों का चलन 10वीं सदी में हुआ। तो कुछ का मानना है की द्वापर में कालिया के मर्दन के बाद ग्वालों ने श्रीकृष्ण का असली रूप देख लिया था। श्रीकृष्ण ने उन्हें गीता का ज्ञान भी दिया था। गो पालकों को दिया गया ज्ञान वास्तव में गाय की सेवा के साथ शरीर को मजबूत करना था। श्रीकृष्ण ने उन्हें समझाया कि इस लोक व उस लोक को तारने वाली गाय माता की सेवा से न केवल दुख दूर होते हैं बल्कि आर्थिक समृद्धि का आधार भी यही है।

इसमें गाय को 13 वर्ष तक मौन चराने की परंपरा है। आज भी यादव (अहीर) और पाल (गड़रिया) जाति के लोग गाय को न सिर्फ मौन चराने का काम करते हैं। कुछ लोगों का कहना है कि भगवान कृष्ण गोकुल में गोपिकाओं के साथ दीवारी नृत्य कर रहे थे, गोकुलवासी भगवान इंद्र की पूजा करना भूल गए तो नाराज होकर इंद्र ने वहां जबर्दस्त बारिश की, जिससे वहां बाढ़ की स्थिति बन गई। भगवान कृष्ण ने अपनी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर गोकुल की रक्षा की, तभी से गोवर्धन पूजा और दिवारी नृत्य की परम्परा चली आ रही है।

पर अब यह परम्परा अब धीरे-धीरे कम होती जा रही है। अब गाँव ही सिमट रहे हैं। गो पालन अब घटता जा रहा है, इससे अब गाय चराने वाले भी सीमित होते जा रहे हैं। जिसका परिणाम है कि अब पहले की तरह ये दल नहीं दिखते हैं। हालांकि बुंदेलखंड के लोग इस परम्परा को जीवित बनाए रखने का प्रयास कर रहे हैं। इस आयोजन के कई तरह के अब समारोह भी होने लगे हैं,

सुख और समृद्धि का वास बना रहे जिसके लिए गौ माता की सेवा करना हमारा नैतिक अधिकार - विधायक नरेंद्र सिंह

दैनिक पुष्पांजली टुडे

विधायक श्री कुशवाह ने गौवर्धन जी की पूजा की और गौवंश के कल्याण के लिए विचार विमर्श किया

भिण्ड । दीपावली त्योहार के अवसर पर श्री गोवर्धन पूजा कार्यक्रम के तहत विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सागर में श्याम गिरी गौशाला में जिला स्तरीय गौवर्धन, पूजा और गौ पूजन कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता क्षेत्रीय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कार्यक्रम में शामिल होकर श्री गोवर्धन महाराज की पूजा अर्चना की और गोवंश के कल्याण के लिए विचार विमर्श किया। वहीं उन्होंने अपने हाथों से गौशाला में समस्त गायों को चारा एवं रोटी खिलाकर आशीर्वाद ग्रहण किया। गोवर्धन पूजा में क्षेत्रीय विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने श्याम गिरी आए गौशाला में आयोजित गोवर्धन पूजा के अवसर पर कहा की मध्य प्रदेश कि भाजपा सरकार गोवंश के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है हर गांव में गौशालाएं बनाकर गायों की समस्या का समाधान भी किया जा रहा है उन्होंने कहा गाय की सेवा करना हमारे भारतीय संस्कृति की एक मुख्य पहचान है जिस घर में गौ माता की सेवा होती है वहां भगवान स्वयं वास करते हैं ।देवताओं का सेवा करने का हम सबको अवसर प्रदान होता है,मध्य प्रदेश सरकार ने गौशाला में पूर्ण सुविधाओं के साथ गुणवत्ता आधार पर गौशाला का निर्माण आगे बढ़ने का काम किया है उनके पूरे खान-पांन की चिंता मध्य प्रदेश सरकार कर रही है हम सब की भी जिम्मेदारी है की गौशाला का संचालन और गायों की सेवा समय निर्धारित अनुसार हो ताकि गौशाला में शासन स्तर पर सुविधा उपलब्ध हो सके इसके लिए हम सबको स्वयं अपनी जिम्मेदारी उठाना पड़ेगी। विधायक श्री कुशवाह ने कहा कि गाय को पहली रोटी खिलाने से मिलते कई लाभ, खुल जाते हैं बंद किस्मत के ताले हिंदू धर्म में गाय को केवल एक जानवर के रूप में नहीं देखा जाता बल्कि माता के रूप में पूजा जाता है। इसके साथ ही शास्त्रों में पहली रोटी गाय के लिए निकलने का विधान है ऐसा करना बहुत ही पुण्यकारी माना जाता है। ऐसे में चलिए जानते हैं कि गाय को पहली रोटी खिलाने से व्यक्ति को जीवन में क्या-क्या लाभ देखने को मिल सकते है गाय को पहली रोटी खिलाने के फायदे। गाय में माना गया है 33 कोटि देवी-देवताओं का वास।पहली रोटी गाय को खिलाने का है विधान।गौ सेवा से होती है पुण्य फलों की प्राप्ति हिंदू धर्म में कई जानवरों को पूजनीय माना गया है, जिसमें से गाय भी एक है। हिंदू मान्यताओं के अनुसार, गाय को गौ माता कहा जाता है। गौ माता को रोटी खिलाना और उनकी सेवा करना बहुत ही लाभकारी माना गया है। ऐसे में यदि आप रोजाना गाय को पहली रोटी खिलाते हैं, तो इससे आपको जीवन में अद्भुत लाभ देखने को मिल सकते हैं।बनी रहती है देवी-देवताओं की कृपा हिंदू शास्त्र के अनुसार, गाय में 33 कोटि देवी-देवताओं का वास माना गया है। साथ ही यदि आप पहली रोटी गाय को खिलाते हैं, तो इससे देवी-देवता प्रसन्न होते हैं, जिससे आपके और आपके परिवार के देवी-देवताओं की कृपा बनी रहती है।देवी लक्ष्मी होती हैं प्रसन्न शास्त्रों के मुताबिक, पहली रोटी गाय खिलाने से व्यक्ति को पुण्य फलों की प्राप्ति होती है और घर-परिवार में सुख-समृद्धि का वास बना रहता है। साथ ही गौ माता की सेवा करने और रोटी खिलाने से व्यक्तियों की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और जीवन भर वह स्वस्थ रहता है। इस अवसर पर जिला कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव जी एवं जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कामना भदौरिया, एवं ग्राम पंचायत सरपंच, अवधेश सिंह ग्रामीण जन काफी संख्या में मौजूद थे। कार्यक्रम के दौरान गौ सेवकों का सम्मान विधायक कुशवाह ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जिसमें लालजी सिंह कृष्ण पाल सिंह धर्मवीर सिंह सुनील सिंह राजावत भानु प्रसाद सिंह राजावत कैलाश सिंह विनोद सिंह बृजेंद्र सिंह रसाल सिंह जय सिंह विशंभर सिंह राम बहादुर सिंह योगेंद्र पाल सिंह प्रमुख शामिल है।

गोवर्धन पूजा हिन्दुओं का एक प्रमुख त्योहार

अनुज सिंह ठाकुर

ब्यूरो रिपोर्ट पुष्पांजलि टुडे ललितपुर

दीपावली की अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस त्यौहार का भारतीय लोकजीवन में काफी महत्व है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा सम्बन्ध दिखाई देता है। इस पर्व की अपनी मान्यता और लोककथा है। गोवर्धन पूजा में गोधन यानी गायों की पूजा की जाती है। शास्त्रों में बताया गया है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती जैसे नदियों में गंगा। गाय को देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख समृद्धि प्रदान करती हैं उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में अनाज उगाता है। इस तरह गौ सम्पूर्ण मानव जाती के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने के लिए ही कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा के दिन गोर्वधन की पूजा की जाती है और इसके प्रतीक के रूप में गाय की।

जब कृष्ण ने ब्रजवासियों को मूसलधार वर्षा से बचने के लिए सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उँगली पर उठाकर रखा और गोप-गोपिकाएँ उसकी छाया में सुखपूर्वक रहे। सातवें दिन भगवान ने गोवर्धन को नीचे रखा और हर वर्ष गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी। तभी से यह उत्सव अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा।

कथा-गोवर्धन पूजा के सम्बन्ध में एक लोकगाथा प्रचलित है। कथा यह है कि देवराज इन्द्र को अभिमान हो गया था। इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान श्री कृष्ण जो स्वयं लीलाधारी श्री हरि विष्णु के अवतार हैं ने एक लीला रची। प्रभु की इस लीला में यूं हुआ कि एक दिन उन्होंने देखा के सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे हैं और किसी पूजा की तैयारी में जुटे। श्री कृष्ण ने बड़े भोलेपन से मईया यशोदा से प्रश्न किया ÷ मईया ये आप लोग किनकी पूजा की तैयारी कर रहे हैं÷ कृष्ण की बातें सुनकर मैया बोली लल्ला हम देवराज इन्द्र की पूजा के लिए अन्नकूट की तैयारी कर रहे हैं। मैया के ऐसा कहने पर श्री कृष्ण बोले मैया हम इन्द्र की पूजा क्यों करते हैं? मैईया ने कहा वह वर्षा करते हैं जिससे अन्न की पैदावार होती है उनसे हमारी गायों को चारा मिलता है। भगवान श्री कृष्ण बोले हमें तो गोर्वधन पर्वत की पूजा करनी चाहिए क्योंकि हमारी गाये वहीं चरती हैं, इस दृष्टि से गोर्वधन पर्वत ही पूजनीय है और इन्द्र तो कभी दर्शन भी नहीं देते व पूजा न करने पर क्रोधित भी होते हैं अत÷ऐसे अहंकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए।लीलाधारी की लीला और माया से सभी ने इन्द्र के बदले गोवर्धन पर्वत की पूजा की। देवराज इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझा और मूसलाधार वर्षा शुरू कर दी। प्रलय के समान वर्षा देखकर सभी बृजवासी भगवान कृष्ण को कोसने लगे कि, सब इनका कहा मानने से हुआ है। तब मुरलीधर ने मुरली कमर में डाली और अपनी कनिष्ठा उंगली पर पूरा गोवर्धन पर्वत उठा लिया और सभी बृजवासियों को उसमें अपने गाय और बछड़े समेत शरण लेने के लिए बुलाया। इन्द्र कृष्ण की यह लीला देखकर और क्रोधित हुए फलत÷ वर्षा और तेज हो गयी। इन्द्र का मान मर्दन के लिए तब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से कहा कि आप पर्वत के ऊपर रहकर वर्षा की गति को नियत्रित करें और शेषनाग से कहा आप मेड़ बनाकर पानी को पर्वत की ओर आने से रोकें।इन्द्र लगातार सात दिन तक मूसलाधार वर्षा करते रहे तब उन्हे एहसास हुआ कि उनका मुकाबला करने वाला कोई आम मनुष्य नहीं हो सकता अत÷ वे ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और सब वृतान्त कह सुनाया। ब्रह्मा जी ने इन्द्र से कहा कि आप जिस कृष्ण की बात कर रहे हैं वह भगवान विष्णु के साक्षात अंश हैं और पूर्ण पुरूषोत्तम नारायण हैं। ब्रह्मा जी के मुंख से यह सुनकर इन्द्र अत्यंत लज्जित हुए और श्री कृष्ण से कहा कि प्रभु मैं आपको पहचान न सका इसलिए अहंकारवश भूल कर बैठा। आप दयालु हैं और कृपालु भी इसलिए मेरी भूल क्षमा करें। इसके पश्चात देवराज इन्द्र ने मुरलीधर की पूजा कर उन्हें भोग लगाया।इस पौराणिक घटना के बाद से ही गोवर्धन पूजा की जाने लगी। बृजवासी इस दिन गोवर्धन पर्वत की पूजा करते हैं। गाय बैल को इस दिन स्नान कराकर उन्हें रंग लगाया जाता है व उनके गले में नई रस्सी डाली जाती है। गाय और बैलों को गुड़ और चावल मिलाकर खिलाया जाता है।

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

थाना यातायात के एएसआई

विजय तिवारी द्वारा गरीब

बच्चों के साथ दीपावली बनाई गई पटाखे मिठाइयां बाट कर

गरीब बच्चों के साथ दीपावली बनाई

संपादकीय

ऑनलाइन फरेब

ऑनलाइन फरेब की दुनिया में हाल ही में नया शब्द जुड़ा है डिजिटल गिरफ्तारी। पहली नजर में विज्ञान कथा जैसा लगने वाला शब्द फिलहाल वास्तविक जीवन के लिये खतरा बनता जा रहा है। ये सरकारी आंकड़े डराने वाले हैं कि इस साल की पहली तिमाही में नागरिकों से इस धोखाधड़ी के जरिये एक अरब बीस करोड़ की ऑनलाइन लूट हुई। बीते रविवार को मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री द्वारा इस संकट का जिक्र करने के बाद यह मुद्दा राष्ट्रीय विमर्श में आ गया। उन्होंने देशवासियों से इस भय से मुक्त होने का आह्वान किया और कहा कि उन्हें इससे बचने के लिये सजगता का मंत्र अपनाना है। उन्होंने लोगों से कहा कि वे घबराएं नहीं। साथ ही कहा कि सरकारी एजेंसियां कभी व्हाट्स ऐप या स्काइप आदि माध्यमों के जरिये नागरिकों से संवाद नहीं करती हैं। ये एजेंसियां कभी भी पैसे की मांग नहीं करती हैं। तेजी से पनप रहे इस संकट से बचने के लिये उन्होंने मंत्र दिया कि रुको, सोचो और एक्शन लो। दरअसल, भयादोहन करके लोगों को लूटने वाले व्हाट्स ऐप आदि से कॉल करके डराते हैं कि वे पुलिस, सीबीआई, आरबीआई या नारकोटिक्स विभाग से बोल रहे हैं। कभी कहा जाता है कि पकड़ी गई नशे की खेप में उनकी भूमिका है। कहा जाता है कि ड्रग्स वाले पार्सल जब्त होने के बाद यह सूचना दी जा रही है। उनसे कहा जाता है कि या तो वे मोटी रकम जमा करें या फिर परिणाम भुगतने के लिये तैयार रहें। दरअसल, ये शातिर अपराधी यह दावा करते हैं कि ठगे जाने वाले व्यक्ति के बारे में वे बहुत कुछ जानते हैं। भय व अज्ञान के कारण बहुत सारे भोले-भाले लोग उनके बिछाए जाल में फंसकर मोटी रकम चुका देते हैं। यह विडंबना ही है कि नागरिकों को डिजिटली सशक्त करने के लिए भारत सरकार के महत्वाकांक्षी डिजिटल इंडिया कार्यक्रम ने सफलता तो पाई लेकिन लोगों को साइबर अपराधों के प्रति संवेदनशील भी बना दिया। कुछ महीने पहले एक बेहद चौंकाने वाला डिजिटल अरेस्ट का घटनाक्रम सामने आया। खुद को सीबीआई अधिकारी बताने वाले एक अंतर्राज्यीय गिरोह ने पद्मभूषण से सम्मानित और वर्धमान समूह के चेयरमैन एसपी ओसवाल से सात करोड़ रुपये की ठगी की थी। उन्हें दो दिनों तक डिजिटल भयचक्र में रखा गया। उन्हें किसी को फोन करने या संदेश भेजने से रोका गया। इतना ही नहीं जालसाजों ने वीडियो कॉल के जरिये सुप्रीम कोर्ट की फर्जी सुनवाई आयोजित की। कल्पना कीजिए इतने प्रभावशाली व्यक्ति को जब साइबर अपराधियों ने असहाय बना दिया, तो आम आदमी की क्या गति होगी? निस्संदेह इससे बचने के लिये लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। खासकर उन बुजुर्गों को जो ऑनलाइन व्यवहार के प्रति ज्यादा जागरूक नहीं हैं। हालांकि, साइबर अपराधी नित नये धोखाधड़ी के हथकंडे अपना रहे हैं.लेकिन फिर भी जागरूकता बेहद जरूरी है। साइबर सुरक्षा एजेंसियों को सतर्कता, सजगता व तत्परता से ऐसे अपराधियों पर शिकंजा कसना होगा। नागरिक अनजान लोगों के फोन कॉल,ई-मेल या संदेश के प्रति सचेत रहें। उन्हें धैर्य के साथ सोचना होगा कि जिस कथित काल्पनिक अपराध के लिये उन्हें डराया-धमकाया जा रहा है क्या उससे वास्तव में उनका कोई लेना -देना है? यूं तो भय-आशंका का काल्पनिक चित्रण करके साइबर अपराधी लोगों की सोचने-समझने की क्षमता पर प्रहार करते हैं। लेकिन ध्यान रहे कि कोई कोर्ट या सरकारी एजेंसी तत्काल ऑनलाइन कार्रवाई नहीं करती और न ही पैसे की मांग करती है। भारतीय साइबर सुरक्षा एजेंसियों की आपातकालीन प्रतिक्रिया टीम को उन तथ्यों से आम लोगों को जागरूक करना चाहिए, जिनके जरिये लोगों के खाते खाली किये जा रहे हैं। लोगों को बताये जा रहे विभागों से सीधे संपर्क करके वस्तुस्थिति का संज्ञान लेना चाहिए। यदि अपराधी भयाक्रांत करते हैं तो घबराना नहीं चाहिए। किसी अपराधी को पैसे ट्रांसफर करने से पहले, इस बारे में परिवार के लोगों, मित्रों व पुलिस को सूचित करना चाहिए। लोगों को अपराधियों के संदेश का स्क्रीन शॉट लेना चाहिए, फोन कॉल रिकॉर्ड आदि सबूत सुरक्षित रखने चाहिए। साथ ही साइबर हेल्पलाइन 1930 पर डायल करें व स्थानीय पुलिस को सूचित करें।

जनगणना का बहुप्रतीक्षित फैसला

डॉ. दीपक पाचपोर

सामान्य तौर पर जनगणना का उद्देश्य सामाजिक विकास के उद्देश्यों को ध्यान में रखा जाता है परन्तु लगता है कि केन्द्र सरकार ने 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव को सामने रखकर यह फैसला लिया है। 2025 में जनगणना कराने के कारण अगली 2035 में होगी।

पूरे चार वर्ष के विलम्ब से ही सही, अंततरू केन्द्र सरकार ने अगले साल यानी 2025 में देश में जनगणना कराने का फैसला लिया है। यह काम कम से कम एक वर्ष तक चलेगा और आंकड़ों के परीक्षण, वर्गीकरण एवं अंतिम जनसांख्यिकीय के प्रकाशन में एक और साल लग जाने का अनुमान है। यानी 2026 तक ही यह काम पूरा हो सकेगा। वैसे लक्ष्य यही होगा कि 2028 तक होने वाले परिसीमन तक यह बड़ा काम पूर्ण हो जाये। सामान्य तौर पर जनगणना का उद्देश्य सामाजिक विकास के उद्देश्यों को ध्यान में रखा जाता है परन्तु लगता है कि केन्द्र सरकार ने 2029 में होने वाले लोकसभा चुनाव को सामने रखकर यह फैसला लिया है। 2025 में जनगणना कराने के कारण अगली 2035 में होगी। भारत में 1872 में पहली जनगणना हुई थी जिसे लॉर्ड मेयो की देखरेख में कराया गया था। हालांकि इस गणना का परीक्षण आदि हेनरी वाल्टर के अधीन हुआ था इसलिये उन्हें ही भारतीय जनगणना का जनक माना जाता है। ब्रिटिश उपनिवेश होने के कारण भारत में भी दशक की शुरुआत में जनगणना कराने की व्यवस्था हुई। अब लगभग पूरी दुनिया में जनगणना का समय यही होता है। इस परम्परा का निर्वाह करते हुए स्वतंत्र भारत की पहली जनगणना 1951 में हुई जो हर साल बदस्तूर जारी रही। इसके कारण भारत को विश्व भर के देशों द्वारा होने वाली जनगणना के साथ तालमेल करने में सुविधा होती है। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। आर्थिक जनगणना का प्रारम्भ 1976-77 में हुआ था। इसका उद्देश्य देश की आर्थिक संरचना का विश्लेषण करने के लिये होता है। इसमें देश की आर्थिक संस्थाओं के आंकड़े एकत्र किये जाते हैं जो केन्द्र या राज्य सरकार की विभिन्न योजनाएं बनाने में सहायक होते हैं। सम्प्रभु भारत में 15 बार बिला नागा होने वाली जनगणना को आजाद हिन्दुस्तान में पहली बार 2021 में कोविड-19 के कारण टाला गया था। हालांकि परिस्थितियां 2022 तक ऐसी हो चुकी थीं कि जनगणना कराई जा सके लेकिन देश की प्रशासकीय अराजकता के लिये यह मुफीद था कि जनगणना न हो। कोरोना के कारण लोगों के मरने वालों की संख्या, भूख से प्रभावित लोग, बेरोजगार आदि की संख्या आज भारत सरकार के पास नहीं है। रोजगार पर हुई एक बहस में सरकार ने संसद तक में बताया कि उसके पास इसके आंकड़े नहीं हैं। जितने भी योजनाएं चल रही हैं, उनमें हितग्राहियों या जरूरतमंदों सम्बन्धी तमाम आंकड़े संदेहास्पद हैं। इसके कारण कोई भी कार्यक्रम वैज्ञानिक आधार पर क्रियान्वित नहीं हो रहे हैं। केन्द्र सरकार ने 2019-20 में आर्थिक जनगणना तो कराई पर उसका आधार 2011 के ही पुराने आंकड़े थे। बताया जाता है कि भारतीय जनता पार्टी सरकार के दो निर्णयों का असर इन आंकड़ों में सच्चाई के साथ परिलक्षित नहीं हुआ है- नोटबन्दी एवं जीएसटी जिन्होंने भारत के आर्थिक परिदृश्य पर बहुत विपरीत प्रभाव छोड़ा था, परन्तु लोगों की वास्तविक वित्तीय स्थिति को कभी उजागर नहीं किया गया। स्पष्टतरू ऐसा इन दो कदमों को गलत साबित होने से बचाने के किया गया। संसद में भी पहले-पहल इन दोनों निर्णयों को सकारात्मक पहल तो बताया गया पर बाद में उन पर चर्चा बन्द हो गयी।हाल के वर्षों में जनगणना की मांग उठने लगी थी। खासकर जब से कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने अपनी दो यात्राओं (भारत जोड़ो एवं न्याय यात्रा) में इस ओर लोगों का ध्यान खींचा था कि भारत में जिस जाति के लोग जितनी संख्या में हैं, उस परिमाण में उन्हें अवसर नहीं मिलते। उन्होंने बार-बार बताया कि केन्द्र सरकार में केवल 5 सचिव ऐसे हैं जो ओबीसी वर्ग से आते हैं। उनके हाथ में कुल बजट का 5 फीसदी भी नहीं होता। यह विमर्श पहले राहुल गांधी, फिर कांग्रेस और अंततरू विपक्षी गठबन्धन इंडिया ने न केवल अपनाया वरन यह पिछले कुछ विधानसभा तथा लोकसभा चुनाव का भी प्रमुख मुद्दा बन गया था। अब पूरा देश चाहता है कि जातिगत जनगणना हो जिससे न केवल आरक्षण प्रणाली सुधरे वरन सामाजिक न्याय भी सुनिश्चित हो। हालांकि देखना यह है कि जनगणना में लोगों की जाति व धर्म के आंकड़े कितनी ईमानदारी से प्रविष्ट होंगे। हालांकि विकास सम्बन्धी योजनाओं एवं कार्यक्रमों के साथ-साथ विभिन्न स्तरों के चुनावों के मद्देनजर भी जनगणना होती है, पर देखना यह है कि इतनी देर से जो मर्दुमशुमारी कराई जायेगी वह कितनी त्रुटिहीन एवं पारदर्शी होगीय क्योंकि इन आंकड़ों के आधार पर ही भारतीय जनता पार्टी अगले लोकसभा चुनाव के लिये अपनी व्यूहरचना करेगी। न केवल परिसीमन, महिला आरक्षण, आदिवासी, दलित व अति पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यकों को लेकर होने वाली राजनीति आदि को ख्याल में रखकर भाजपा अपनी रणनीति बनायेगी वरन राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर एवं नागरिकता संशोधन जैसे कानूनों के क्रियान्वयन हेतु भी भाजपा अपने लिये रास्ते खोलेगी। इनका आधार जनगणना के आंकड़े ही होंगे। इसके मद्देनजर विपक्षी दलों एवं सिविल सोसायटियों को सावधान रहने की जरूरत है। उन्हें सरकार द्वारा एकत्र किये जाने वाले आंकड़ों की सटीकता, पारदर्शिता एवं परीक्षण का ख्याल रखने के लिये प्रशासन को जवाबदेह बनाना होगा। इस बार की जनगणना बहुत महत्वपूर्ण है जिसके पीछे भाजपा की सियासी मंशा भी छुपी हो सकती है। जनगणना के आंकड़े आर्थिक-सामाजिक विकास का आधार बनें, न कि भाजपा की राजनीति की बुनियाद। 2024 में अपेक्षित बहुमत पाने से वंचित रही भाजपा इस जनगणना के बल पर वैसे ही बड़ा खेल कर सकती है जिस प्रकार से वह देश भर में मतदाता सूचियों और ईवीएम सम्बन्धी गड़बड़ियां करती है। नागरिकों को चाहिये कि वे खुद के बारे में सही जानकारी दें न कि मनमानी होने दें।

बाल विवाह पर बड़ी अदालत का फैसला

हेमलता म्हस्के

सुप्रीम कोर्ट द्वारा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को सख्त निर्देश देने से देश में बाल विवाह विरोधी अभियानों में अप्रत्याशित तेजी आने की उम्मीद बढ़ गई है। देश की सैकड़ों स्वयंसेवी संस्थाओं ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए कहा है कि बाल विवाह कानून को प्रभावी तरीके से लागू करने के अदालती निर्देश से देश से 2030 तक बाल विवाह के खात्मे के लक्ष्य को पूरी तरह सुनिश्चित करने में काफी मदद मिलेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि बाल विवाह के कारण किसी को भी अपनी मर्जी से जीवन साथी चुनने के अधिकार का पूरी तरह से हनन होता है। बच्चों के इस अधिकार को सुनिश्चित करने में मौजूदा कानून में खामियां हैं, जिन्हें दूर करना जरूरी है। कोर्ट ने कहा है कि बाल विवाह से, खासकर लड़कियों के सामने ज्यादा मुसीबतें आ जाती हैं। शादी के बाद एक नाबालिग लड़की से बच्चों को जन्म देने और प्रजनन क्षमता साबित करने की उम्मीद की जाती है। बच्चे को जन्म देने के निर्णय लड़की से छीन लिए जाते हैं। एक बच्चे के रूप में विवाहित महिला की पसंद और स्वायत्तता का अधिकार बाल विवाह की प्रणाली द्वारा छीना जाता है। बाल विवाह करा कर नाबालिग लड़कियों को वैवाहिक संबंध बनाने के लिए मजबूर करने से वे तनाव झेलने को मजबूर होती हैं। गैर-सरकारी संगठन सेवा (सेल्फ एम्प्लायड वीमेंस एसोसिएशन) और सामाजिक कार्यकर्ता निर्मल गोराना की याचिका पर आए इस फैसले का दो सौ से अधिक संस्थाओं के संगठन बाल विवाह मुक्त भारत ने स्वागत किया है। बाल विवाह मुक्त भारत से जुड़ी सोलापुर (महाराष्ट्र) की संस्था महात्मा फुले समाज सेवा मंडल के प्रमोद झिंझड़े के मुताबिक बाल विवाह मुक्त भारत देश के 400 से अधिक जिलों में बाल विवाह के खात्मे के लिए सक्रिय हैं। इस गठबंधन से जुड़ी संस्थाओं ने 2023-24 में पूरे देश में 1,20,000 से भी ज्यादा बाल विवाह रुकवाए हैं और 50,000 बाल विवाह मुक्त गांव बनाए हैं। प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति डीवाई चंदचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने फैसले में कहा है कि श्बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम (पीसीएमए) 2006श के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए सरकार व प्रशासन को बचाव-रोकथाम-अभियोजन रणनीति के साथ समुदाय आधारित दृष्टिकोण से काम करने की जरूरत है। अदालत ने स्कूलों, धार्मिक संस्थाओं और पंचायतों को बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता के प्रसार का अहम जरिया बताते हुए बाल विवाह बहुल इलाकों में राज्यों को विश्व स्वास्थ्य संगठन की अनुशंसा के अनुरूप सेक्स एजुकेशन को स्कूली पाठ्यक्रम में जोड़ने की अनुशंसा की है। इस शिक्षा में लैंगिक समानता, प्रजनन स्वास्थ्य अधिकारों और शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर बाल विवाह के प्रभाव के कानूनी पहलुओं के बारे में स्पष्ट जानकारी शामिल होनी चाहिए। याचिका में कहा गया था कि देश में बाल विवाह की स्थिति गंभीर है और उसके खिलाफ बने कानून पर अमल नहीं करके उसकी मूल भावना से खिलवाड़ किया जा रहा है। इस पर फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति चंदचूड़ ने कहा कि कानून तभी सफल हो सकता है जब बहुक्षेत्रीय समन्वय हो। कानून प्रवर्तन अधिकारियों के प्रशिक्षण व क्षमता निर्माण की आवश्यकता है। हम एक बार फिर समुदाय आधारित दृष्टिकोण की जरूरत पर जोर देते हैं। बाल विवाह एक ऐसा अपराध है जिसने सारे देश को जकड़ रखा है और इसकी स्पष्ट व्याख्या के लिए सुप्रीम कोर्ट बधाई का पात्र है। साझा प्रयासों से बच्चों के लिए अहितकर बाल विवाह जैसी बुराइयों का पूरी तरह से खात्मा किया जा सकेगा। अभियान के संस्थापक भुवन ऋभु ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भारत और पूरी दुनिया के लिए नजीर बताते हुए कहा कि यह ऐतिहासिक फैसला सांस्थानिक संकल्प को मजबूती देने की दिशा में निर्णायक साबित होगा। यह देश से बाल विवाह के समग्र उन्मूलन के लक्ष्य की प्राप्ति के मार्ग की बाधाओं को दूर करने में बहुत सहायक होगा। सुप्रीम कोर्ट ने दिखाया है कि उसे बच्चों की परवाह है और अब समय आ गया है कि हम सभी आगे आएं और साथ मिलकर इस सामाजिक अपराध का खात्मा करें। ऋभु ने कहा, अगर हम अपने बच्चों की सुरक्षा करने में विफल हैं तो फिर जीवन में कोई भी काम मायने नहीं रखता। सुप्रीम कोर्ट ने एक समग्र दृष्टिकोण को मजबूती से अपनाने की जरूरत बताई है। बाल विवाह अपने मूल रूप में बच्चों से बलात्कार है। बाल विवाह मुक्त भारत से जुड़े संगठन इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए एक समग्र रणनीति श्पिकेटश पर अमल कर रहे हैं, जिसमें नीति, संस्थान, सम्मिलन, ज्ञान, परिवेश, तकनीक जैसी चीजें शामिल हैं। अभियान के तहत विभिन्न धार्मिक नेताओं और समुदायों के साझा प्रयासों से इस अपराध के खात्मे के लिए 4.90 करोड़ लोगों को बाल विवाह के खिलाफ शपथ भी दिलाई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश में कहा गया है कि सरकारें जिला स्तर पर श्चाइल्ड मैरिज प्रिवेंशन ऑफीसरश नियुक्त करें। इसके लिए कलेक्टर और एसपी भी जवाबदेह होंगे। उनके पास उन सभी व्यक्तियों पर मुकदमा चलाने का अधिकार और जिम्मेदारी होगी जो बाल विवाह करवाने में मदद देते या उसे संपन्न करते हैं। अपने क्षेत्र में बाल विवाह के मामलों में जानबूझकर कर्तव्यों की उपेक्षा करने वाले सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाए। सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों की सरकारों को बाल विवाह रोकने के लिए एक वार्षिक कार्य योजना विकसित करना चाहिए। व्यक्तिगत जवाबदेही तय करने और बाल विवाह रोकने के लिए राज्य हर 3 महीने में रिपोर्ट अपलोड करें। राज्य के महिला एवं बाल विकास विभाग और गृह मंत्रालय इसकी समीक्षा करें। अदालत के मुताबिक स्थानीय लोगों के साथ प्रभावी सामुदायिक सहभागिता तकनीक विकसित की जाए। राज्यों के गृह मंत्रालय स्पेशल जुविनाइल पुलिस यूनिट बनाने पर विचार करें। राज्य स्पेशल चाइल्ड मैरिज प्रोहिबिशन यूनिट बनाएं जिसमें पांच सामाजिक कार्यकर्ताओं, जिनमें दो महिलाएं जरूर हों, को रखा जाए। मजिस्ट्रेट स्वतरू संज्ञान लेकर निर्देश जारी कर सकेंगे। केंद्र राज्य सरकारों के साथ मिलकर ऐसे मामलों के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाएं। बाल विवाह मुक्त गांवों और ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त सर्टिफिकेट दिया जाए। सामुदायिक नेतृत्व को सक्रिय भूमिका के लिए प्रोत्साहित किया जाए। स्कूलों सहित धार्मिक संस्थाओं और पंचायत में जागरूकता कार्यक्रम चलाया जाए। स्थानीय भाषा में प्रभावी होर्डिंग्स और स्लोगन बनाए जाएं। स्कूलों, पंचायतों और सभी स्थानीय संस्थाओं को चाइल्ड लाइन 1098 और महिला हेल्पलाइन 181 की जानकारी दी जाए। बच्चों को बताया जाए कि कैसे मदद ली जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों को एक साल बाद स्टेटस रिपोर्ट देने को भी कहा है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों, सामाजिक संगठनों की सक्रियता के बीच यह बताना जरूरी है कि श्बाल विवाह निषेध संशोधन विधेयक 2021 को 21 दिसंबर 2021 को संसद में पेश किया गया था। विधेयक को शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी विभागों से संबंधित स्थाई समितियों को जांच के लिए भेजा गया था। विधेयक में संशोधन की मांग की गई थी, ताकि विभिन्न व्यक्तिगत कानूनों पर प्रभाव को स्पष्ट रूप से बताया जा सके। यह विधेयक संसद के समक्ष अभी भी विचाराधीन है।

(लेखिका और सामाजिक कार्यकर्ता हैं)

बढ़ा-चढ़ाकर पेश की जा रही है नियंत्रण रेखा पर भारत-चीन समझौते की सफलता

अजित रॉय

हालांकि पूर्वी लद्दाख में डेमचोक और देपसांग क्षेत्रों में संघर्ष और टकराव को लेकर भारत और चीन के बीच गतिरोध कम हो गया है, लेकिन तनाव पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है। 22-24 अक्टूबर को रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से कुछ घंटे पहले जल्दबाजी में घोषित किये गये समझौते का उद्देश्य दोनों देशों के बजाय अंतरराष्ट्रीय दर्शकों को अधिक आकर्षित करना था। इस समझौते को द्विपक्षीय तनाव कम करने की तुलना में अंतरराष्ट्रीय रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के संदर्भ में अधिक देखा जाना चाहिए। भारत और चीन के बीच कुछ धूमधाम से घोषित किया गया समझौता सीमा विवाद को वास्तव में कम करने की तुलना में दिखावे के लिए अधिक है। यह रूस के कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के संदर्भ में था, जिसका उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बैठक के दौरान होने वाली सहमति के लिए आधार तैयार करना था। चीन का अतीत का ट्रैक रिकॉर्ड पिछली प्रतिबद्धताओं को अनदेखा करने का रहा है। चीन ने चीज स्लाइसिंग की रणनीति अपनाई है, यानी छोटे क्षेत्रों पर कब्जा करके फिर से आगे बढ़ जाना। कई क्षेत्रों में, चीन ने भारतीय क्षेत्रों पर दावा किया है और यहां तक कि बड़े पैमाने पर गांव भी बसाये हैं। उनमें से किसी भी संघर्ष का पूर्ण समाधान नहीं हुआ है या उस पर समुचित ध्यान भी नहीं दिया गया है। मौजूदा समझौते में अंतरराष्ट्रीय सीमा के केवल एक छोटे से हिस्से को संबोधित किया गया है, जहां दोनों देशों के बीच झड़पें हुई थीं, जिसके परिणामस्वरूप 20 भारतीय सैनिक मारे गये थे। कई अन्य क्षेत्रों में, चीनी घुसपैठ का समाधान नहीं किया गया है। दोनों पक्षों द्वारा भारी संख्या में सैनिकों और वाहनों, और अन्य सैन्य उपकरणों और बंदूकों को इकट्ठा करने के अलावा, एक और संघर्ष का तत्काल खतरा कम हो गया है। भारत को चीन से

निपटने के लिए कई कदम उठाने होंगे। जब चीन की अर्थव्यवस्था गंभीर रूप से गिर रही थी और कुछ क्षेत्रों में उसके उद्योग सिकुड़ रहे थे, तब भारत द्वारा चीनी व्यवसायों और भारत में निवेश के खिलाफ उठाये गये कदमों ने उसके हितों को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया था। समग्र मजबूरियों का आकलन करने के लिए पूरे कदमों और जवाबी कदमों के संदर्भ को ध्यान में रखना होगा। अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित प्रमुख पश्चिमी देशों द्वारा चीन के निर्यात को रोका जा रहा था। यूरोपीय संघ के बाजारों में उच्च टैरिफ बाधाओं के साथ चीनी इलेक्ट्रिक वाहनों को बाहर रखने की कोशिश की जा रही थी। अमेरिका चीनी ईवी निर्माताओं के खिलाफ नये कदम उठा रहा था। चीन के पास दुनिया भर में अपने ईवी को आगे बढ़ाने में बहुत बड़ा दांव है। इसके अलावा, अमेरिका ने चीन को महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी और वस्तुओं के हस्तांतरण के खिलाफ पूरी तरह से नाकाबंदी लगा दी है, जिसने कई मायनों में चीनी उद्योगों को पंगु बना दिया है। अमेरिका ने चीन को उच्च अंत औद्योगिक चिप्स की आपूर्ति से बाहर रखा है और यह कम से कम फिलहाल चीनी उद्योगों को नुकसान पहुंचा रहा है। चीन स्टील का सबसे बड़ा उत्पादक है और यह दुनिया भर में अपना स्टील डंप कर रहा है। तथ्य यह है कि चीन में हर साल उत्पादित होने वाले स्टील की भारी मात्रा को अवशोषित करने की क्षमता नहीं है। कई विकसित देश अपने घरेलू स्टील बाजारों से चीन को बाहर करना चाहते हैं। चीन ने अपनी अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति को छिपाने के लिए कई महत्वपूर्ण जानकारी जारी करना बंद कर दिया है। उदाहरण के लिए, चीन के सांख्यिकी ब्यूरो ने युवाओं की बेरोजगारी के आंकड़े देना बंद कर दिया है, ताकि युवाओं की बड़ी बेरोजगारी को छिपाया जा सके। यह एक ऐसी नीति को आगे बढ़ाने का आदर्श समय था जो संबंधों को सामान्य बनाने की किसी भी प्रक्रिया के लिए चीन को वास्तव में कड़ी चोट पहुंचा सकती थी। भारत को चीन से बड़ी रियायतों के लिए काम करना चाहिए था। यह हमारा समय था क्योंकि आर्थिक रूप से भारत अब तक चीन की तुलना में कहीं बेहतर स्थिति में था। इसके अलावा, दक्षिण चीन सागर और ताइवान पर अपने कदमों को लेकर चीन को पश्चिमी ताकतों के गठबंधन का सामना करना पड़ रहा है। दक्षिण चीन सागर के आसपास कोई भी तटीय देश चीन के साथ नहीं है। फिलीपींस से लेकर मलेशिया तक के साथ उसके विवाद हैं। कुछ मायनों में, दक्षिण-पूर्व एशिया के कई देश चीन को संदेह की दृष्टि से देख रहे हैं। लेकिन चीन और भारत दोनों के पास दिखावे के लिए मजबूरियां थीं। सिख आतंकवादी की हत्या में कथित संलिप्तता को लेकर भारत को पश्चिम द्वारा घेरा जा रहा था, जिसका नेतृत्व कनेडा और आंशिक रूप से अमेरिका कर रहा था। चीन को कई मोर्चों पर अमेरिका से भारी दबाव का सामना करना पड़ रहा है। सबसे बढ़कर, कजान बैठक के मेजबान, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन में युद्ध के लिए पश्चिमी देशों के संयुक्त मोर्चे के खिलाफ ताकत दिखाने की कोशिश की। सऊदी अरब, मिस्र और ईरान के साथ-साथ दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले देशों की ब्रिक्स बैठक, रूस को अलग-थलग करने में संयुक्त पश्चिमी ब्लॉक की विफलता का प्रदर्शन है।

महिलाओं एवं अबोध बालिकाओं के साथ बड़ते हुए दुष्कर्म युवाओं में फैले मेडिकल नशे के विरूद्ध रीवा बंद

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि जिला कांग्रेस कमेटी के द्वारा महिलाओं एवं अबोध बालिकाओं के साथ बड़ते हुए दुष्कर्म एवं युवाओं में फैले मेडिकल नशे के विरूद्ध कल 3 नवम्बर को रीवा बंद का आहवान किया है। उन्होंने रीवा शहर के सभी बड़े छोटे एवं फुटपाथ व्यापारियों एवं व्यवसायिक प्रतिष्ठानों से यह अनुरोध किया है कि रीवा में बहन बेटियों के साथ हो रहे दुष्कर्म के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे। इसका मूल कारण युवाओं में फैल रहा नशा एवं इंटरनेट के जरिये परोसी जा रही अश्लील सामग्री है। उन्होने कहा कि हमारा युवा जो बेरोजगारी से त्रस्त है वो कुंठित होकर नशे की शरण में जा रहा है। उन्होने कहा कि गांव गांव में फैली शराब की पैकारी, कोरेक्स जैसी मेडिकल दवाओं के नशे के गिरफ्त में जा रहा है। उन्होंने कहा कि नशे के रूप में दवाओं का इस्तेमाल इतना बड़ गया है कि गोमटी, ठेले, सार्वजनिक शौचालय में बोतलों का ढेर रहता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी का पिछले 6 दिनों से चल रहा लगातार आंदोलन, दीपावली न मनाने का निर्णय, केवल प्रशासन

को चेताने के लिए नहीं है, अपितु रीवा की जनता को इस भयावह बीमारी से सचेत करने के लिए है। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान का विकास केवल फ्लाई ओवर या मॉल बन जाने से नहीं होता यह विकास वहां के युवा पीड़ी के भविष्य पर निर्भर करता है। आज रीवा जिले का युवा दो हिस्से में है एक वो बैंगलोर पूना कोटा से पड़ाई पूरी कर बड़े शहरों में रोजगार कर रहा है और एक वो जो बेरोजगारी का मारा कुण्ठाग्रस्त होकर नशे की गिरफ्त में जा रहा है। दीपावली के पवित्र अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी का कल रीवा बंद को मिलाकर 7 दिवसीय आंदोलन युवाओं के नशे के खिलाफ अपनी बहन बेटियों की रक्षा की लड़ाई को निर्णायक मोड़ तक ले जाने के लिए है। जिला कांग्रेस कमेटी की यह लड़ाई किसी व्यक्ति विशेष के खिलाफ न होकर जिले की बहन बेटियों के हित में है। उन्होंने कहा कि गुड़ की गैंगरेप की घटना अत्यंत हदय विदारक एवं दुखद है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री या रीवा सांसद ने उस पीड़ित परिवार को मिलकर संवेदना देने का भी काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि हालाकि पुलिस ने अच्छा कार्य किया और 5 दिवस के भीतर उन दरिंदों को गिरफ्तार किया, पर मुख्यमंत्री की इंवेस्टर मीट के कारण 2 दिन मामले को दबाया भी गया। हम यह नहीं कहते कोरेक्स के नशे के खिलाफ पुलिस प्रयास नहीं कर रही 20 20 लाख की कोरेक्स जप्त की जा रही है पर इसके बावजूद आवक जारी है जो वाकई चिंताजनक है। आई जी एवं डी आई जी से मुलाकात के दौरान हमारे प्रतिनिधि मण्डल ने उन्हें 08 सूत्रीय महत्वपूर्ण सुझाव दिये। अतः सभी व्यापारी बंधु इस रीवा बंद के कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी का सहयोग प्रदान करें, एवं हम पुलिस व प्रशासन से उम्मीद करते हैं कि हमारे शांति पूर्ण बंद में सहयोग प्रदान करें।

जेल गौशाला में आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। गोवर्धन पूजा के अवसर पर अध्यक्ष रेडक्रास सोसायटी रीवा डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी की उपस्थिति में जेल गौशाला केन्द्रीय जेल रीवा में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्ष रेडक्रास सोसायटी एवं जेल अधीक्षक सतीश कुमार उपाध्याय द्वारा गौशाला में गौवंशों को गुड एवं गौग्रास खिलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात गौवंश की पूजा अर्चना की गई तथा गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने हेतु संकल्प लिया गया। जेल अधीक्षक केन्द्रीय ने इस दौरान कृष्ण लीलाओं का वर्णन कर गौमाता के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम आयोजन में संजीव कुमार गेंदले उप जेल अधीक्षक, योगेन्द्र पमार उप जेल अधीक्षक, श्याम सिंह कुशवाह सहायक जेल अधीक्षक एवं बीरबल सरयाम प्रहरी/गौपालक सहित समस्त जेल स्टाफ का योगदान सराहनीय रहा।

जिले भर में गोवर्धन पूजा का हुआ आयोजन

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले भर में विभिन्न गौशालाओं में गोवर्धन पूजा को आयोजन किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागरिकों ने गौपूजन कर गायों को भोजन खिलाया। इसी क्रम में गोकुल गौशाला अल्ट्राटेक एवं मध्येपुर गौशाला में पूर्व उपाध्यक्ष गौसंवर्धन समिति राजेश पाण्डेय ने गौपूजन किया। इस दौरान हिमांशु कुलश्रेष्ट, प्रियांशी मिश्रा, राजेश कुमार मालवीय, विमलेन्द्र शेखर पाण्डेय, लालता कोल, राजधर मिश्र, पवन पाण्डेय, सुनील यादव, महेश पाल, पृथ्वी सिंह तथा जियुत कुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सथिनी गांव में बदमाशों का आतंक

कट्टा लहराते दर्जनभर युवकों का वायरल हुआ वीडियो,ग्रामीणों का जीना हुआ हराम

सगरा थाना क्षेत्र का मामला

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। एक ओर पुलिस अधीक्षक विवेक सिंह जिले भर में लगातार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दे रहे हैं। तो वहीं दूसरी तरफ सथिनी गांव में बदमाशों के हौसले बुलंद हैं। जानकारी के मुताबिक सगरा थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़ियारी,पोस्ट सथिनी निवासी राहुल मिश्रा नामक युवक दो कार में सवार होकर अपने साथियों अतुल तिवारी,ज्योतिष द्विवेदी,प्रयास पाठक एवं अन्य दर्जनभर बदमाशों के साथ सथिनी गांव में एक घर में दबिस देने पहुंचे जहाँ गाली गलौज करते हुए रंगदारी देने की बात कहने लगे। ग्रामीणों की भीड़ आते देखकर पिस्टल लहराते हुए गोली मारने की धमकी देकर रफूचक्कर हो गए। बताया जा रहा है की इन बदमाशों की गैंग आए दिन गांव में रंगदारी बसूलने जाते हैं और कट्टा दिखाकर आए दिन लूटपाट करते हैं। राहुल मिश्रा नामक बदमाश अपनी धमक जमाने अपने शोसल मीडिया पर पिस्टल लहराते वीडियो वायरल होते ही लोगों में चर्चा का विषय बनी हुई है। की आखिर पुलिस क्या कर रही है। राहुल मिश्रा अक्सर पिस्टल के साथ फोटो वायरल करता है जिससे लोगों में भय बना रहे और लोग रंगदारी देने लगे। वायरल वीडियो में साफतौर पर देखा जा सकता है की बदमाशों के हौसले कितने बुलंद हैं। ज्योतिष द्विवेदी नामक बदमाश जो वीडियो में बुजुर्ग से बोल रहा है की वीडियो बना रहे हो फोटो खींच रहे हो। वीडियो मत बनाओ, वीडियो खूब बनी है हम लोगों की। वीडियो क्या करोगे थाने में दोगे। उल्लेखनीय है की राहुल मिश्रा आदतन अपराधी है जिसके खिलाफ कई आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध हैं और इसके गैंग के बदमाशों के खिलाफ भी कई आपराधिक मामले चल रहे हैं।क्या इन बदमाशों को पुलिस का भय नहीं रहा या फिर ये बदमाश बेलगाम हो चुके हैं। इस मामले में अब सगरा पुलिस क्या कार्रवाई करती है यह देखना दिलचस्प होगा

शोक संतृप्ति परिवार से मिलने सगरा पहुंचे

डिप्टी सीएम एव सांसद

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। ।BN news channel के राजेश मिश्रा के पिता के निधन पर डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल व सांसद जनार्दन मिश्रा सगरा वरिष्ठ समाजसेवी के निधन पर शोक संतृप्त परिवार से मिलने उनके निवास पहुंचे। सगरा के वरिष्ठ समाजसेवी स्वर्गीय श्री.राजमणि मिश्रा का भरा पूरा परिवार है पुत्र, नाती, पोते सबका ढाडस बधाते हुए , श्रद्धांजलि अर्पित की। स्व श्री के निधन के बाद लोगों का उनके निज निवास पर श्रद्धांजलि देने का तांता लगा हुआ है।

ललितपुर। जनपद में सामाजिक सेवा में सदैव आगे रहने वाली सामाजिक संस्था कौमी एकता सेवा समिति रजि. द्वारा समय-समय पर अनेक सामाजिक कार्य किए जाते रहे हैं।

उसी क्रम को जारी रखते हुए प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दीपावली त्यौहार के मौके पर जरूरतमंद परिवारों को राहत सामग्री का वितरण किया गया। राहत सामग्री पाकर लोगों के चेहरे खिल उठे, मानो त्यौहार पर कोई फरिश्ता उनके बीच आकर भेंट दे गया हो। परिवारों द्वारा समिति के सदस्यों का शुक्रिया उन्हें दुआएं देकर किया गया। समिति अध्यक्ष परवेज पठान व अन्य सदस्यों द्वारा कहा गया कि सामग्री व अन्य मदद का सिलसिला आगे भी जारी रहेगा, जरूरतमंद परिवारों के खिले चेहरे देखकर एक अलग ही खुशी का अहसास होता है। हमें इंसान होकर इंसानियत के नाते हर उस जरूरतमंद की मदद करनी चाहिए जो परेशान है। यह जरूरी नहीं कि हम किसी की मदद अकेले ही करें, क्योंकि हो सकता है अकेला व्यक्ति सक्षम नहीं हो कि वह अकेले मदद कर सके। इसलिए संगठन बनाकर सभी लोगों को थोड़ा-थोड़ा सहयोग करके मदद के लिए आगे आना चाहिए। जिससे इंसानियत कायम रहे। मुख्य अतिथि सदर क्षेत्राधिकारी अभय नारायण राय ने समिति के सदस्यों की सराहना करते हुए कहा सामाजिक सेवा करना पुण्य का कार्य है। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में समिति के संरक्षक डॉ राजकुमार जैन ने भी अपनी बात रखी। इस दौरान मुख्य अतिथि सदर क्षेत्राधिकारी अभय नारायण राय, विशिष्ट अतिथि डा.राजकुमार जैन, समिति अध्यक्ष परवेज पठान रहे। संचालन समिति संरक्षक लक्ष्मी नारायण विश्वकर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर अजय जैन अज्जू, डा.तेजस्व श्रीवास्तव, आयुष सैनी, कलम सोनी, सोनू, मकबूल राइन, राजेश झा, शिवम साहू, अजय प्रजापति आदि उपस्थित रहे

जिले एवं प्रदेश वाशियो के लिए दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) - श्री पटेल

दमोह - जिले के पथरिया विधानसभा से विधायक एवं राज्य मंत्री(स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने भारतीय जनता पार्टी परिवार की ओर से क्षेत्रवासियों एवं प्रदेश वासियों के लिए दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा का विशेष तौर पर महत्व बतलाया। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री पटेल ने कहा कि यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्रदेश में गोवर्धन पूजा दीपावली त्योहार पर्व पर गोवर्धन पूजा का विशेष महत्व माना गया है। और कहा कि हमारे हिंदुत्व परिवारों में पुरानी परंपरा हजारों वर्षों से मनाते आ रहे हैं। उनको सहेजना जन-जन तक संदेश पहुंचाना प्रदेश की जनता से आग्रह करता हूं, कि हमारी पुरानी परंपरा हम सभी हिंदू

त्योहार पर्व के कार्यक्रम है। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने कहा कि यशस्वी मुख्यमंत्री श्री यादव जी प्रदेश कि जनता जनार्दन हिंदू त्योहार के प्रति संदेश पहुंचाने का कार्य एवं जन-जन तक संदेश पहुंचाना है। और राज्य मंत्री श्री पटेल ने कहा कि जैसे कि मुख्यमंत्री डॉक्टर यादव जी स्वयं जाकर के मालवा के ग्राम सगरिया बड़ी गौशाला एवं ग्वालियर गौशाला पहुंचकर गोवर्धन पूजा कर रहे हैं। प्रदेश की जनता जनार्दन तक संदेश पहुंचाने का कार्य कर रहे हैं। द्वापर युग से भगवान श्री कृष्ण ÷के अवतार के बाद से परंपरा हजारों वर्षों से चली आ रही है। राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार लखन पटेल ने कहा कि दीपावली गोवर्धन पूजा पावन त्योहार कि क्षेत्र वासियों प्रदेशवासियों एवं देशवासियों को हम सभी की भारतीय जनता पार्टी की ओर से दीपावली गोवर्धन पूजा पावन त्योहार पर्व की ढेर सारी हार्दिक शुभकामनाएं।

भोलेनाथ के दरबार में मौनिया नृत्य का प्रदर्शन,टोलियां बनाकर पारंपरिक परिधान में सड़कों पर निकले कलाकार

टीकमगढ़।शहर में शुक्रवार को बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के लोग मौनिया नृत्य का प्रदर्शन करने निकले। लोगों ने बुंदेली गीतों पर जगह-जगह नृत्य का प्रदर्शन किया। इसके बाद शिव धाम कुंडेश्वर में भगवान भोलेनाथ के दरबार में व्रत का समापन किया।दरअसल, समूचे बुंदेलखंड में दूसरे दिनमौनिया नृत्य की परंपरा चली जा रही है। आज बड़ी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के लोग टोलियां बनाकर मौनिया नृत्य का प्रदर्शन करने निकले। लोगों ने बुंदेली पारंपरिक नृत्य देखा और मंडली के कलाकारों को मिठाई भेंट की।शिव

धाम कुंडेश्वर में आसपास के क्षेत्र की मोनिया नृत्य टोली नृत्य करने पहुंचीं। उन्होंने मंदिर परिसर में जमकर नृत्य किया।इतिहासकार हरि विष्णु अवस्थी ने बताया कि बुंदेलखंड की प्रसिद्ध परंपरा के अनुसार दीपावली के दूसरे दिन परमा के दिन संगीतमयी धुनों पर मोनिया नृत्य का आयोजन होता है।जिसमें नगर सहित क्षेत्र भर के मंदिरों पर ग्रामीण क्षेत्र के कलाकार नृत्य का प्रदर्शन करते हैं। इस दौरान कलाकार पारंपरिक पोशाक और हाथों में डंडे लेकर नृत्य करते हैं।कुंडेश्वर मंदिर के प्रधान पुजारी जमुना तिवारी महाराज ने बताया कि आज सैकड़ों की संख्या में कलाकारों ने मंदिर परिसर में मोनिया नृत्य का प्रदर्शन किया। मंदिर समिति की ओर से सभी मंडलियों को प्रसाद भेंट किया गया।

पद के अनुरुप अधिकारी नियत समय में जनता को सेवाएं दे, ताकि अंतिम पंक्ति तक लोगों को सीधा लाभ मिल सकें - कलेक्टर

मुरैना /मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर कलेक्टर श्री अंकित अस्थाना ने राष्ट्रगान की धुन पर ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों, कर्मचारियों से कहा कि पद के अनुरुप नियत समय में जनता को सेवाएं दे, ताकि अंतिम पंक्ति तक खड़े लोगों को लाभ सीधा मिल सकें। यह बात उन्होंने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट परिसर में 69वें मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह मनाते समय कही। कार्यक्रम में वंदे मातरम, मध्यप्रदेश गान को गाया गया। इसके बाद स्कूलों की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कलेक्टर श्री अस्थाना ने कहा कि आज मध्यप्रदेश की स्थापना दिवस पर हम इकट्ठे हुए हैं, आप और हम इस सिस्टम में बधे हैं कि जितनी भी हमारी संवैधानिक व्यवस्थाएं या अधिकार हैं, उनके दायित्वों का पालन करना है। यह सारा फ्रेमवर्क हम लोगों पर ही आधारित है, जो प्रशासनिक कैपरसिटी में शासन के निर्देशों को मौके पर क्रियान्वित करते हैं। यह दिन हमको इसी बात की प्रेरणा देता है कि हमको अपने शासकीय पदचिह्नों का निर्वहन गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ करना चाहिए, जिससे समाज में अंतिम पंक्ति तक खड़े व्यक्ति को भी शासकीय योजनाओं का लाभ मिल सकें। मैं अपेक्षा रखता हूं कि आज सभी इस बात से प्रेरणा लेते हुए जिस प्रकार आप अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं, वैसे ही आगे भी करें ।

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने किया गोवर्धन पूजन

समाज तभी सुखी रहेगा जब गौमाता सुख से रहें - उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने लक्ष्मणबाग गौशाला में गोवर्धन पूजन किया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उत्सव पूर्ण माहौल में गोवर्धन पूजन के उपरांत उप मुख्यमंत्री ने गौपूजन कर गायों को भोजन कराया तथा उनका आशिर्वाद लिया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने यज्ञशाला में हवन कर गोवर्धन की आरती उतारी। पंचदिवसीय दोपोत्सव कार्यक्रम की श्रृंखला में गोवर्धन पूजन के अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि हमारा समाज तभी सुखी रहेगा जब गौमाता सुख से रहें। गौवंश सड़कों में बेसहारा विचरण न करें। सड़कों के किनारे का खाना व प्लास्टिक न खायें। इनको संरक्षित कर इनकी मुस्कुराहट से ही हमारे प्रदेश व जिले की जनता मुस्कुरायेगी। श्री शुक्ल ने कहा कि गौमाता में देवी देवताओं का वास होता है। इनका गोबर व गौमूत्र पूजन के काम आता है यह पवित्रता की पराकाष्ठा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा जिले में एक लाख गौवंश के संरक्षण के लिये अलग-अलग स्थानों में गौशालाओं का निर्माण कराया जा रहा है।

लक्ष्मणबाग गौशाला से प्रारंभ हुई यह गौशाला निर्माण की यात्रा में बसामन मामा गौवंश वन्य विहार का निर्माण हुआ। हिनौती गौधाम में 25 हजार गायों के लिये गौअभयारण्य बनाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में गौशालाओं का निर्माण कराकर गौवंश का संरक्षण किया जायेगा ताकि कोई भी गौवंश बेसहारा न रहे। श्री शुक्ल ने कहा कि हम

विकास के साथ सनातन संस्कृति को भी साथ लेकर चल रहे हैं ताकि हम अपनी जड़ों से जुड़े रहें। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने रूचि सोयारूप (ईको पार्क) द्वारा हिनौती गौधाम गौअभयारण्य के लिये प्रदत्त दस लाख रूपये की धन राशि का चेक एसडीएम व तहसीलदार को प्रदान किया। इससे पूर्व कार्यक्रम को भागवताचार्य बाला व्यंकटेश शास्त्री ने संबोधित करते हुए कहा कि आज के दिन ही गौअवतरण हुआ था। गोवर्धन ही गाय का संरक्षण है। उन्होंने कहा कि उप मुख्यमंत्री जी द्वारा किये जा रहे गाय की सेवा का ही प्रतिफल है कि रीवा विकास की ओर अग्रसर है। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शित करते हुए एसडीएम एवं सीईओ लक्ष्मणबाग संस्थान डॉ. अनुराग तिवारी ने बताया कि मध्यप्रदेश स्थापना दिवस के अवसर पर पाँच दिवसीय आयोजन के तहत विभिन्न कार्यक्रम किये जा रहे हैं। कार्यक्रम में मध्यप्रदेश गान भी हुआ। इस दौरान अध्यक्ष नगर निगम व्यंकटेश पाण्डेय, पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी, अध्यक्ष गौशाला घनश्याम ताम्रकार, श्रीमती माया सिंह, श्रीमती ममता नरेन्द्र सिंह, श्री लालबहादुर सिंह, कमलेश सचदेवा, समाजसेवी राजेश पाण्डेय, डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, राजगोपाल मिश्र चारी, उप संचालक पशुपालन डॉ. राजेश मिश्रा, तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला सहित अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन उपस्थित रहे।

हॉरर-कॉमेडी जॉनरा के पीछे क्यों पड़े हैं लोग? 'भूल भुलैया 3' की

माधुरी दीक्षित

ने खोला राज

धक धक गर्ल माधुरी दीक्षित 'भूल भुलैया 3' में अहम रोल में नज़र आने वाली हैं. फिल्म दिवाली के मौके पर रिलीज़ होने के लिए तैयार है. 'भूल भुलैया 3' एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म है. पिछले कुछ वक्त से हॉरर-कॉमेडी फिल्मों का बाज़ार तेज़ी से बढ़ा है. ऐसी फिल्में भी खूब बनने लगी हैं. अब माधुरी ने इस बात पर अपनी राय बताई है कि आखिर क्यों ज्यादा से ज्यादा लोग पिछले कुछ वक्त से हॉरर-कॉमेडी जॉनरा की फिल्में बना रहे हैं.हाल ही में माधुरी ने पिंकविला से बात की. इस मौके पर उन्होंने मैडॉक की साल 2018 में आई हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री' की जमकर तारीफ की. इस दौरान माधुरी ने बताया कि उन्होंने श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की 'स्त्री 2' अब तक नहीं देखी है. वो कहती हैं, मैंने स्त्री देखी है, जो मुझे बहुत पसंद आई. मैंने स्त्री 2 नहीं देखी है, पर मैंने सुना है कि ये अच्छी है. इसीलिए तो लोगों ने इस फिल्म को इतना प्यार दिया है और ये अच्छा प्रदर्शन भी कर रही है.

हॉरर फिल्मों के बारे में बात करते हुए माधुरी कहती हैं, मुझे लगता है कि हॉरर फिल्में शुरुआत से बन रही हैं. मुझे याद है मैंने '100 डेज' की थी, वो हॉरर फिल्म नहीं थी, लेकिन वो मिस्ट्री थ्रिलर जैसी थी, उसमें थोड़ा बहुत हॉरर भी था. अगर मुझे सही याद आ रहा हो तो ज्यादातर हॉरर फिल्में तो रामसे ब्रदर्स ने ही बनाई हैं.

हॉरर फिल्मों पर ज़ोर क्यों ?

इस वक्त हॉरर कॉमेडी जॉनरा के बारे में माधुरी कहती हैं, इस वक्त अच्छा वीएफएक्स है, इसलिए ज्यादा लोग ऐसी फिल्में बनाना चाह रहे हैं. वो जिस तरह की सोच दर्शाना चाहते हैं और जिस तरह का भूत बनाना चाहते हैं वो अब उससे न्याय कर सकते हैं. कई हॉरर-कॉमेडी फिल्में बनने पर उन्होंने कहा कि ये तो अच्छा है. उन्होंने कहा कि अब हमारे पास तकनीकी जानकारी है और सपोर्ट है, जिससे हम वैसा माहौल बना सकते हैं और रिएलिस्टिक हॉरर इमैजिनेशन को पेश कर सकते हैं. माधुरी का मानना है कि इसीलिए ज्यादा लोग इस जॉनरा में हाथ आजमा रहे हैं

जानी दुश्मन का किया जिक्र

इस दौरान माधुरी ने राजकुमार कोहली की जानी दुश्मन का जिक्र किया. उन्होंने कहा, जानी दुश्मन जैसी कुछ ही फिल्में हैं जो बेहद कामयाब रही हैं, जिसमें संजीव कपूर जी नज़र आए थे. कई फिल्में हॉरर स्टाइल में बनी हैं.

सलमान खान

ने थप्पड़ के सीन से पहले को-एक्ट्रेस को 'धमकाया', बोले- थोड़ा भी लगा तो मैं हंगामा मचा दूंगा

सलमान खान की साल 2003 में आई हिट फिल्म 'तेरे नाम' में एक्ट्रेस इंदिरा कृष्णन ने उनकी लव इंट्रस्ट निरजरा यानी भूमिका चावला की बड़ी बहन का किरदार निभाया था. इंदिरा उस वक्त जानी मानी एक्ट्रेस थीं और कई फिल्मों और टीवी सीरियल्स में काम कर चुकी थीं. फिल्म के एक सीन में उन्हें सलमान को थप्पड़ जड़ना था. इस सीन से पहले सलमान ने उनके साथ ऐसा प्रैंक (मजाक) किया कि उनके हाथ की कांपने लगे थे. इस बात का खुलासा खुद इंदिरा ने एक इंटरव्यू में किया है.यूट्यूब चैनल ज्वाइन फिल्म्स से बात करते हुए इंदिरा ने कहा, सलमान ने मेरे साथ एक प्रैंक किया था. उन्होंने मुझसे कहा था 'थोड़ा सा भी लगा ना इंदिरा, तो देखना मैं क्या करता हूं. मैं हंगामा मचा दूंगा.' मैं उनके साथ वो सीन शूट करने से पहले बहुत डर गई थी. जब मुझे उन्हें थप्पड़ मारना था तब मेरे हाथ कांपने लगे थे. पर वो बहुत प्यारे इंसान हैं. उनके साथ काम करने में मुझे बहुत सहज महसूस हुआ. ऐसा लगा ही नहीं कि मैं सलमान खान के साथ काम कर रही हूं. वो प्रैंक में माहिर थे.

सलमान का स्टाइल हो गया था हिट

सलमान खान की 'तेरे नाम' उस वक्त लोगों को खूब पसंद आई थी. सलमान का फिल्म में जैसा कैरेक्टर था, उसकी तुलना आज फिल्म 'कबीर सिंह' के लीड कैरेक्टर से भी होती है. हालांकि 'तेरे नाम' ने बॉक्स ऑफिस पर दमदार बिज़नेस किया था. खास बात ये है कि सलमान का हेयरस्टाइल उस दौर में खूब पसंद किया गया था और हर गली मोहल्ले में लड़के उनके जैसा ही हेयरस्टाइल किए नज़र आते थे.

तेरे नाम बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

सतीश कौशिक के निर्देशन में बनी इस फिल्म में में सलमान और भूमिका के अलावा रवि किशन, सचिन खेडकर, सरफराज खान, राधिका चौधरी, दर्शन कुमार और गोपाल दत्त जैसे सितारे नजर आए थे. 12 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने भारत में करीब 20 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था.

आखिरी दौर में है अक्षय कुमार की 'Housefull 5' की शूटिंग, करोड़ों के आलीशान सेट पर शूट होगा क्लाइमेक्स

हिंदी सिनेमा में जब भी कॉमेडी फिल्मों की बात आती है तो अक्सर हाउसफुल फ्रेंचाइजी का भी नाम सामने आता है. 'हाउसफुल' फ्रेंचाइजी की फिल्मों को लेकर लोग दो धड़ों में बंट जाते हैं. कई ऐसे हैं, जिन्हें स्लैपस्टिक कॉमेडी जॉनर की ये फिल्में ज्यादा समझ नहीं आती लेकिन कुछ ऐसे भी हैं, जिन्हें इस फ्रेंचाइजी की फिल्में एंटरटेन भी करती हैं. अब जल्द ही इस फ्रेंचाइजी की पांचवी फिल्म भी आने वाली है जिसे लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है.बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के मुताबिक, हाउसफुल 5 मुंबई में अपने लास्ट शूटिंग शेड्यूल के लिए तैयार है, जो अगले महीने की शुरुआत में शुरू हो सकता है. खबरों के मुताबिक, यूरोप में करूज लाइनर पर 40 दिनों का एक बड़ा शेड्यूल शूट किया जा चुका है. अब फिल्म के लीड एक्टर्स अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और अभिषेक बच्चन, मुंबई के चित्रकूट मैदान में फिल्म के लास्ट शेड्यूल को पूरा कर सकते हैं.

क्रिसमस तक रेप हो सकता है शूट

ऐसी खबरें हैं कि इस शेड्यूल में फिल्म का क्लाइमेक्स और एक मल्टी स्टारर सॉग सीक्वेंस शूट किया जाएगा. मिड डे की एक रिपोर्ट की मानें तो फिल्म के इस क्लाइमेक्स के लिए काफी बड़े और लैविश सेट पीस को तैयार किया गया है. ये सेट एक शानदार और आलीशान बंगलो का है, जिसे फिल्म में दिखाया जाएगा. शूट के 24 दिन बचे हैं और कहा जा रहा है कि क्रिसमस तक फिल्म बनकर पूरी तरह से तैयार हो जाएगा.

अपने सींस शूट करेंगे संजय दत्त और जैकी श्रॉफ

बात करें फिल्म की स्टारकास्ट की तो हाउसफुल फ्रेंचाइजी को वैसे भी अपनी बड़ी स्टारकास्ट के लिए जाना जाता है. इस बार भी फिल्म में एक साथ काफी सारे सितारें नजर आने वाले हैं. खबरों की मानें तो संजय दत्त और जैकी श्रॉफ भी जल्द ही फिल्म की कास्ट को ज्वाइन करेंगे. दोनों ही सितारें वीजा इश्यू की वजह से यूके में अपने सीन को शूट नहीं कर पाए थे और अब वो फिल्म का अपना पार्ट मुंबई में शूट करेंगे.

Singham Again vs Bhool Bhulaiyaa 3 का खेल हुआ और गंदा, टी-सीरीज की स्ट्राइक के बाद हटाना पड़ा 'सिंघम अगेन' का टाइटल ट्रैक!

Singham Again और Bhool Bhulaiyaa 3 एक ही दिन रिलीज हो रही हैं. दोनों फिल्मों के बीच कड़ी टक्कर की उम्मीद है. कुछ दिन पहले दोनों फिल्मों के बीच स्क्रीन वॉर चल रहा था. कॉम्पटीशन इस बात का था, कौन-सी फिल्म ज्यादा शोज और सक्रीन्स हथियाएगी. फिलहाल इस मामले में 'सिंघम अगेन' मल्टीप्लेक्स में आगे बताई जा रही है और 'भूल भुलैया 3' सिंगल सक्रीन्स पर. अभी ये घमासान खत्म ही हुआ था कि एक और गेम सामने आ गया है.ऐसा कहा जा रहा है कि टी-सीरीज ने 'सिंघम अगेन' के टाइटल ट्रैक पर कॉपीराइट स्ट्राइक मार दी. इसके चलते ये गाना यूट्यूब से हटाना पड़ा है. हालांकि इसे दोबारा अपलोड कर दिया गया है. दोबारा अपलोड किए गए गाने में 'सिंघम' वाली मेन ट्यून को हटा दिया गया है. 'सिंघम' के थीम म्यूजिक की जगह एक नए म्यूजिक को जोड़ा गया है. यहां ये जानना जरूरी है कि 'भूल भुलैया 3' की प्रोड्यूसर टी-सीरीज है.

टी-सीरीज ने स्ट्राइक मारी क्यों ?

दरअसल 'सिंघम' और 'सिंघम रिटर्न्स' के सभी गाने टी-सीरीज ने रिलीज किए थे. यानी इन दोनों फिल्मों के म्यूजिक राइट्स भूषण कुमार की कंपनी के पास होंगे. रोहित शेट्टी ने ये राइट्स खरीदे नहीं होंगे, और 'सिंघम' वाले म्यूजिक को इस्तेमाल कर लिया होगा. इसलिए ही टी-सीरीज ने सारेगामा से अपलोड किए गए 'सिंघम अगेन' के टाइटल ट्रैक पर कॉपीराइट स्ट्राइक मार दी. इस वजह से सारेगामा को गाना हटाना पड़ा. हालांकि 'सिंघम अगेन' के ट्रेलर में कहीं पर भी 'सिंघम' के थीम म्यूजिक का इस्तेमाल नहीं किया गया है. ना जाने इन लोगों ने टाइटल ट्रैक में इसे क्यों यूज किया !

किसकी गलती है ?

पहली बात तो 'सिंघम अगेन' की टीम को बिना परमिशन के म्यूजिक उठाना नहीं चाहिए था. उठाया भी था, तो 'टी-सीरीज' को थोड़ा नैतिकता दिखानी चाहिए थी. लोग कह रहे हैं कि टी-सीरीज ने डर्टी गेम शुरू कर दिया है. उसे ऐसा नहीं कहना चाहिए था. लोग ये भी कह रहे हैं कि 'सिंघम अगेन' वालों को भी पहले इजाजत लेनी चाहिए थी.

यहां ये भी गौर करने लायक है कि क्या टी-सीरीज ने 'सिंघम अगेन' के प्रमोशन में डेन्ट लगाने के लिए जानबूझकर स्ट्राइक मारी है या फिर ऑटो कॉपीराइट स्ट्राइक के तहत खुद से मशीन जेनेरेटेड कॉपीराइट स्ट्राइक गई है.अभी 'टी-सीरीज' ने इस पर कुछ नहीं बोला है, न ही 'सिंघम अगेन' की टीम की तरफ से कुछ कहा गया है. लेकिन इतना तो पक्का है कि गलती 'सिंघम अगेन' वालों की ही है, नहीं तो वो गाना हटाकर, थीम म्यूजिक बदलकर दोबारा अपलोड नहीं करते.

धार्मिक ग्रंथों में दीपावली का महत्व

दीपोत्सव का वर्णन प्राचीन ग्रंथों में मिलता है। दीपावली से जुड़े कुछ रोचक तथ्य हैं जो इतिहास के पन्नों में अपना विशेष स्थान बना चुके हैं। इस पर्व का अपना ऐतिहासिक महत्व भी है, जिस कारण यह त्योहार किसी खास समूह का न होकर संपूर्ण राष्ट्र का हो गया है।

धर्म की दृष्टि से दीपावली के त्योहार का ऐतिहासिक महत्व है। अनेक धर्मग्रंथ दीपावली का ऐतिहासिक महत्व हमें बतलाते हैं। आइए जानते है दीपावली से जुड़े धार्मिक तथ्य...।

* विष्णु ने तीन पग में तीनों लोकों को नाप लिया। राजा बलि की दानशीलता से प्रभावित होकर भगवान विष्णु ने उन्हें पाताल लोक का राज्य दे दिया, साथ ही यह भी आश्वासन दिया कि उनकी याद में भू लोकवासी प्रत्येक वर्ष दीपावली मनाएंगे।

महाप्रतापी तथा दानवीर राजा बलि ने अपने बाहुबल से तीनों लोकों पर विजय प्राप्त कर ली, तब बलि से भयभीत देवताओं की प्रार्थना पर भगवान विष्णु ने वामन रूप धारण कर प्रतापी राजा बलि से तीन पग पृथ्वी दान के रूप में मांगी। महाप्रतापी राजा बलि ने भगवान विष्णु की चालाकी को समझते हुए भी याचक को निराश नहीं किया और तीन पग पृथ्वी दान में दे दी।

* त्रेतायुग में भगवान राम जब रावण को हराकर अयोध्या वापस लौटे तब उनके आगमन पर दीप जलाकर उनका स्वागत किया गया और खुशियां मनाई गई।

* कार्तिक अमावस्या के दिन सिखों के छठे गुरु हरगोविन्दसिंहजी बादशाह जहांगीर की कैद से मुक्त होकर अमृतसर वापस लौटे थे।

* बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध के समर्थकों एवं अनुयायियों ने 2500 वर्ष पूर्व गौतम बुद्ध के स्वागत में हजारों–लाखों दीप जलाकर दीपावली मनाई थी।

* कृष्ण ने अत्याचारी नरकासुर का वध दीपावली के एक दिन पहले चतुर्दशी को किया था। इसी खुशी में अगले दिन अमावस्या को गोकुलवासियों ने दीप जलाकर खुशियां मनाई थीं।

* 500 ईसा वर्ष पूर्व की मोहनजोदड़ो सभ्यता के प्राप्त अवशेषों में मिट्टी की एक मूर्ति के अनुसार उस समय भी दीपावली मनाई जाती थी। उस मूर्ति में मातृ–देवी के दोनों ओर दीप जलते दिखाई देते हैं।

* अमृतसर के स्वर्ण मंदिर का निर्माण भी दीपावली के ही दिन शुरू हुआ था।

* जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थकर भगवान महावीर ने भी दीपावली के दिन ही बिहार के पावापुरी में अपना शरीर त्याग दिया। महावीर–निर्वाण संवर? इसके दूसरे दिन से शुरू होता है। इसलिए अनेक प्रांतों में इसे वर्ष के आरंभ की शुरुआत मानते हैं।

* यह भी कथा प्रचलित है कि जब श्रीकृष्ण ने आतताई नरकासुर जैसे दुष्ट का वध किया तब ब्रजवासियों ने अपनी प्रसन्नता दीपों को जलाकर प्रकट की।

* राक्षसों का वध करने के लिए मां देवी ने महाकाली का रूप धारण किया। राक्षसों का वध करने के बाद भी जब महाकाली का क्रोध कम नहीं हुआ तब भगवान शिव स्वयं उनके चरणों में लेट गए। भगवान शिव के शरीर स्पर्श मात्र से ही देवी महाकाली का क्रोध समाप्त हो गया। इसी की याद में उनके शांत रूप लक्ष्मी की पूजा की शुरुआत हुई। इसी रात इनके रौद्ररूप काली की पूजा का भी विधान है।

* मुगल वंश के अंतिम सम्राट बहादुर शाह जफर दीपावली को त्योहार के रूप में मनाते थे और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लेते थे।

* शाह आलम द्वितीय के समय में समूचे शाही महल को दीपों से सजाया जाता था एवं लाल किले में आयोजित कार्यक्रमों में हिन्दू–मुसलमान दोनों भाग लेते थे।

* पंजाब में जन्मे स्वामी रामतीर्थ का जन्म व महाप्रयाण दोनों दीपावली के दिन ही हुआ। इन्होंने दीपावली के दिन गंगातट पर स्नान करते समय ओम कहते हुए समाधि ले ली।

* महर्षि दयानन्द ने भारतीय संस्कृति के महान जननायक बनकर दीपावली के दिन अजमेर के निकट अवसान लिया। इन्होंने आर्य समाज की स्थापना की।

* दीन–ए–इलाही के प्रवर्तक मुगल सम्राट अकबर के शासनकाल में दौलतखाने के सामने 40 गज ऊंचे बांस पर एक बड़ा आकाशदीप दीपावली के दिन लटकाया जाता था। बादशाह जहाँगीर भी दीपावली धूमधाम से मनाते थे।

* सम्राट विक्रमादित्य का राज्याभिषेक दीपावली के दिन हुआ था। इसलिए दीप जलाकर खुशियां मनाई गई।

* ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में रचित कौटिल्य अर्थशास्त्र के अनुसार कार्तिक अमावस्या के अवसर पर मंदिरों और घाटों (नदी के किनारे) पर बड़े पैमाने पर दीप जलाए जाते थे।

परिवार संग करें देवी पूजन

कहते हैं कि माता के शरण में सच्चे मन से जो भी व्यक्ति जाता है। उसकी सारी समस्याओं का निवारण हो जाता है। वैसे भी लक्ष्मी का आशीर्वाद मनुष्य को केवल संपन्न ही नहीं बनाता, बल्कि परिवार में खुशियां भी ले कर आता है। इस बार परिवार के सभी सदस्य मिलकर कैसे मनाएं लक्ष्मी जी को आइए जानते हैं।

श्रीसूक्त में लक्ष्मीजी को 'विश्व प्रिये, विष्णु मनोनुकूले' कहकर सम्बोधित किया गया है। इसका अर्थ है कि लक्ष्मी का आशीर्वाद कौन नहीं पाना चाहता? धन वैभव किसे नहीं चाहिए? लक्ष्मी के आशीर्वाद से घर में पैसा आता है और सुख भी। लक्ष्मी का आशीर्वाद और विष्णु भगवान की अनुकूलता से घर में सुख-शांति और समृद्धि हमेशा बनी रहती है। दीपावली की रात पारिवारिक दृष्टि से सुख-समृद्धि व व्यापारियों के लिये लाभ और प्रगति के लिए अलग-अलग मुहूर्तों पर पूजा करने का प्रावधान है। पारिवारिक समृद्धि के लिये प्रदोष काल यानी शाम को दो घंटे में वृषभ लग्न में पूजा करने का प्रावधान है, जबकि व्यापारियों के लिये आधी रात में पड़ने वाला सिंह लग्न का मुहूर्त उत्तम माना गया है। रात में की गई पूजा का फल सबसे अच्छा होता है।

व्यापार में सफलता दिलाती है लक्ष्मी पूजा

आज के इस आधुनिक दुनिया में हर व्यक्ति किसी ना किसी रूप से परेशान है ही। इसमें सबसे ज्यादा परेशानी होती है। कमाई की समस्या। किसी को नौकरी नहीं मिलती तो किसी का व्यावसाय नहीं चलता। अगर आप भी इस समस्या से जूझ रहे हैं और यदि बहुत मेहनत करने के बाद भी आप को सही फल नहीं मिल रहा है व व्यापार में लगातार लाभ नहीं हो पा रहा है, तो इस प्रयोग से आप लक्ष्मीजी को प्रसन्न करने में कामयाब रहेंगे। दीपावली की शाम को 16 गोमती चक्र गुलाब जल से धोकर लाल चन्दन वाले पानी में डुबा दें। श्रीं श्रीं श्रीं कमले कमलालये विष्णु वल्लभाये धन समृद्धि प्रदाये महालक्ष्म्यै श्रीं श्रीं श्रीं मंत्र से धूप-दीप अर्पित करें। मंत्र का जाप करें। गोमती चक्र को अपने प्रतिष्ठान में लगाएं। इससे आपको लाभ मिलेगा।

सिंह लग्न में लक्ष्मीजी की पूजा

यह पूजा आधी रात को व्यापारियों द्वारा अपने प्रतिष्ठान में संपन्न कराई जाती है। गणेश पूजन के बाद कमल गट्टा और अन्य जड़ी-बूटियों के साथ लक्ष्मीजी का आह्वान किया जाता है। सबके साथ मिलकर 'कनकधारा स्त्रोत ' तथा 'श्ल्व्हड ल्द्' का पाठ कर लक्ष्मी जी का अभिषेक करें और आरती कर सभी कर्मियों में प्रसाद बांटें। अपने बहीखाते का सरस्वती के रूप में पूजन करें। लिखने के लिये प्रयुक्त की जाने वाली कलम या स्याही की बोतल का मां काली के रूप में पूजन करें। प्रतिष्ठान के द्वार पर गणेश जी की पूजा करें और शुभ लाभ अंकित करें।

गोवर्धन पूजा से प्रसन्न होंगे भगवान श्रीकृष्ण

गोवर्धन पूजा के दिन सुबह आम की लकड़ी के पाटे पर गाय के गोबर से छोटे पहाड़ बनाएं। दोनों पहाड़ों की धूप,दीप चन्दन आदि से पूजा करें और घर के द्वार पर लगा कर फिर से पूजा करें। इससे भगवान कृष्ण की कृपा से जीवन में स्थिरता प्राप्त होती है।

मंगल देवताया

मां लक्ष्मी का पंचामृत से श्रीसूक्त का पठन करते हुए अभिषेक करें। चंचलाये नमः, चपलाये नमः मंत्रों का उच्चारण करते हुए लक्ष्मी की पूजा करें। अष्ट लक्ष्मी का पूजन भी करें। श्रृंगार सामग्री, धूप, दीप भोग अर्पित करने के बाद आरती करें और सबको प्रसाद बांटें। दीप जलाना ना भूलें।

भाई की लम्बी उम्र की प्रार्थना

भाई दूज को यम द्वितीया भी कहा जाता है। शास्त्रों में वर्णन है कि यम द्वितीया को मृत्यु के देवता। अपनी बहन यमुना से मिलने आते हैं। इसीलिये यमुना के तट पर पूजा का बहुत महत्ता है। इस दिन अपने भाई का चन्दन, रोली से टीका कर आरती करें। भाई की दीर्घायु हेतु प्रार्थना करें। भाई के साथ भगवान शिव के भी दर्शन करें।

दीपावली की रात कुछ ऐसे मिलते हैं संकेत

दीपावली की रात देवी लक्ष्मी धरती पर आती हैं। इस रात जिस घर पर देवी की कृपा हो जाती है उनके लिए पूरा वर्ष सुखद रहता है। धन आगमन एवं लाभ का स्रोत बना रहता है।

भौतिक सुख के साधन एवं स्थायी संपत्ति में इजाफा होता है। शकुन शास्त्र एवं प्राचीन मान्यताओं के अनुसार दीपावली की रात कुछ ऐसे संकेत मिलते हैं जिससे आप जान सकते हैं कि इस वर्ष आप पर लक्ष्मी की कृपा हुई है।

दीवारों पर दिख जाए छिपकली

दीवारों पर दौड़ती हुई छिपकली आपको यूं तो अक्सर दिख जाएगी। लेकिन दीपावली की रात छिपकली का दिखना बड़ा ही दुर्लभ होता है। इस रात अगर आपको छिपकली दिख जाए तो यह बड़ा ही अच्छा शगुन होता है। यह लक्ष्मी की कृपा का सूचक माना गया है।

परिणाम स्वरूप उत्साह और ध्यान से काम कर सकेंगे। आत्मविश्वास बढ़ेगा। सप्ताह के अंत में आर्थिक आयोजन में प्रारंभिक अवरोध के बाद सफलता मिलेगी। निवेशकार सावधानीपूर्वक निवेश करें, मित्रों- शुभेच्छकों के मिलने से आप को आनंद होगा। व्यवसायक्षेत्र में सहयोगभरा माहौल रहेगा। दोस्तों, भाई-बंधुओं और पड़ोसियों के साथ संबंध मनमेल भरे रहेंगे। नए कार्यों की शुरूआत कर सकते हैं।

बिल्ली घर में आए तो किस्मत खुल जाए

घर में घुसकर बिल्ली अक्सर दूध पी जाती है और आप इससे दुखी हो जाते हैं। लेकिन दीपावली की रात अगर बिल्ली घर में आ जाए तो जश्न मनाना चाहिए। यह धन वृद्धि का सूचक होता है।

बिल्ली को नकारात्मक ऊर्जा का संचार करने वाला जीव माना गया है लेकिन दीपावली की रात घर की छत पर बिल्ली आकर मल त्याग करे तो इसे स्थायी लक्ष्मी की प्राप्ति का संकेत मानना चाहिए।

प्रार्थना करें उल्लू दिख जाए

देवी लक्ष्मी का वाहन उल्लू माना गया है। माना जाता है कि दीपावली की काली अमावस रात में देवी लक्ष्मी अपने वाहन पर बैठकर भ्रमण करती हैं। इसलिए इस दिन उल्लू का दिखना बहुत ही शुभ माना जाता है। माना जाता है कि इस दिन उल्लू का दिखना देवी लक्ष्मी की कृपा से ही संभव होता है।

साल भर धनागमन बना रहता है

छछुंदर जमीन के अंदर बिल बनाकर रहता है। यह रात के समय घरों में घुसकर बिखरे अनाज और दूसरे खाद्य पदार्थों को खाकर पेट भरता है।

दीपावली की रात अगर छछुंदर घर में आ जाए तो इसे भी शुभ संकेत समझना चाहिए इससे साल भर धनागमन बना रहता है।

दीपावली के दिन गिरा हुआ अथवा कहीं से अटका हुआ धन का मिलना भी शुभ शगुन माना गया है। इस दिन उपहार मिलना भी शुभ शगुन माना गया है। इसलिए दीपावली के दिन एक दूसरे को उपहार देने का रिवाज है। इस खर्च के कारण जेब हल्की होने पर भी आप आनंदित रहेंगे। सप्ताह के अंत में स्थिति थोड़ी प्रतिकूल होने के कारण सरकारी मामलों में सावधानी बरतें। कार्यक्षेत्र में अधिकारियों से उलझने से बचें। विरोधी और शत्रु सक्रिय रहेंगे। आप आध्यात्म के मार्ग से मन की शांति पा सकते हैं। गहन चिंतन से आप खुद की कमियों को दूर कर पाएंगे।

सप्ताह के मध्य में ग्रहदशा सुधरने से आपका मन हलका होगा। पड़ोसियों के साथ संबंध मिठास भरा रहेगा। घर में मित्रों और स्नेहीजनों का आगमन आनंददायी होगा। यात्रा होने की भी संभावना है। भाग्यवृद्धि के योग हैं। सप्ताह के अंत में आप के स्वभाव में भावुकता ज्यादा रहेगी। भविष्य सुरक्षित करने के लिए दीर्घकालिक निवेश करने का उत्तम समय है। माता की ओर से ज्यादा प्रेम का अनुभव होगा।

मखाना का भोग

लक्ष्मी मैया को मखाना प्रिय है। इसका कारण यह है कि लक्ष्मी माता जल से प्रकट हुई हैं। मखाना भी जल में पलता बढ़ता है, यानि जल से जन्म लेता है। सागर को मथने के बाद जैसे लक्ष्मी उत्पन्न हुई थीं उसी प्रकार मखाना भी जल में एक कठोर आवरण में ढका रहता है।

बीड़ बिलिंग घाटी में पैराग्लाइडर क्रैश, विदेशी पायलट की मौत

एजेंसी

धर्मशाला। पैराग्लाइडिंग के लिए विश्व प्रसिद्ध बीड़ बिलिंग घाटी में एक हादसे में विदेशी पैराग्लाइडर पायलट की मौत हो गई है। पुलिस और बचाव दल ने कड़ी मशक्कत के बाद घटनास्थल से विदेशी पायलट के शव निकालकर बैजनाथ अस्पताल पहुंचाया। उसके शव के पास को कागजात न मिलने से अभी तक पैराग्लाइडर पायलट के देश का नाम पता नहीं चल सका है और न ही उसकी शिनाख्त हो सकी है। जानकारी के अनुसार इस पैराग्लाइडर ने बिलिंग से टेक ऑफ किया था और लगभग 11 बजे दुर्घटनाग्रस्त होकर गिर गया। सूचना पर पुलिस और बीड़ बिलिंग पैराग्लाइडर एसोसिएशन ने एक बचाव दल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया, जिसमें पुलिस के जवानों सहित रेस्क्यू टीम के सदस्य भी शामिल थे। जब टीम वहां पहुंची तब तक विदेशी पायलट की मौत हो चुकी थी। रेस्क्यू टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद उसका शव मालविका सीतलानी की इमोशनल फादर्स डे पोस्ट।

मतदाता सूचियों के प्रारूप प्रकाशन को लेकर बैठक, राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को दी जानकारी

एजेंसी

श्रीगंगानगर। निर्वाचन विभाग राजस्थान जयपुर के निर्देशानुसार अर्हता दिनांक 1 जनवरी 2025 के संदर्भ में मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाहॉल में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों की बैठक में आवश्यक जानकारियां दी गई। बैठक में मतदाता सूचियों के प्रारूप प्रकाशन की जानकारियां दी गई। साथ ही विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 के पोस्टर का विमोचन जिला कलक्टर द्वारा किया गया। बैठक में जिला कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. मंजू ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जो युवा 1 जनवरी 2025 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे अपना नाम मतदाता सूचियों में सम्मिलित करवा सकते हैं। पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान यदि कोई आवेदक मतदाता सूची में नाम जड़वाने हेतु प्रारूप-6 में आवेदन करता है तथा अपना यूनिक मोबाइल नम्बर की सूचना प्रस्तुत करता है, तो मतदाता सूची में उनका पंजीकरण होने की स्थिति में वह अपना मतदाता पहचान पत्र ऑनलाईन प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त वर्तमान मतदाता भी प्रपत्र-8 के माध्यम से अपना मोबाइल नम्बर दर्ज करवा सकते हैं।

लाइव टेलीकास्ट के जरिए पूरी दुनिया देखेगी अयोध्या की भव्यता

अयोध्या। आठवें दीपोत्सव की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। राम की पैड़ी पर दीप बिछाने का काम तकरीबन पूरा किया जा चुका है। अब अयोध्या सहित पूरी दुनिया को इंतजार है तो सिर्फ 30 अक्टूबर की शाम का। उस दिन सबके आराध्य भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्या एक और कीर्तिमान रचने जा रही है। इस अद्भुत और अलौकिक पल के साक्षी पूरी दुनिया में बैठे लोग भी होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर सूचना विभाग द्वारा इस पूरे महा आयोजन के लाइव टेलीकास्ट की व्यवस्था की गई है। नगर के कोने-कोने में होने वाले दीपोत्सव की आभा दिखाने के लिए एलईडी वॉल और एलईडी वैन लगवाई जा रही है। इसके अलावा मीडिया को कवरेज के लिए सेंटर की स्थापना करा दी गई है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में इस बार दीपोत्सव को और भी भव्य बनाने की तैयारी चल रही है। शहर के मार्गों को फूलों की लड़ियों और आकर्षक लाइट से सजाया जा रहा है। दीपोत्सव के दिन राम की पैड़ी पर होने वाले सभी कार्यक्रमों को दूरदर्शन व सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म पर लाइव दिखाया जाएगा। नगर के सभी लोग इस भव्य आयोजन का, जो जहां रहे वहीं से आनंद ले सकें, इसके लिए एलईडी स्क्रीन्स की व्यवस्था कराई गई है।जिला सूचना अधिकारी संतोष द्विवेदी ने बताया कि दीपोत्सव के आयोजन की भव्यता को अयोध्या सहित पूरी दुनिया देखे इसके लिए नगर में 20 जगहों पर एलईडी वॉल और एलईडी वैन की व्यवस्था कराई जा रही है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में सरदार पटेल के अखंड भारत का स्वरूप मजबूत हो रहा : सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में 'रन फॉर यूनिटी' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान सीएम योगी ने सरदार पटेल को नमन कर देश के प्रति उनके समर्पण को याद किया। पांच कालीदास मार्ग से केडी सिंह बाबू स्टेडियम तक आयोजित इस दौड़ में सैकड़ों युवाओं, बच्चों और आम नागरिकों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान सीएम योगी ने धनतेरस, दीपावली और छठ के अवसर पर सभी को शुभकामनाएं दीं और सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर उनके महान योगदान को नमन किया। कार्यक्रम के दौरान समाज के सशक्तिकरण में स्वास्थ्य की अहमियत पर जोर दिया। कहा कि आरोग्यता समाज के विकास की पहली शर्त है। स्वस्थ समाज का निर्माण ही राष्ट्र को मजबूत बनाता है। इस अवसर पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन न सिर्फ हमारे स्वास्थ्य के लिए लाभप्रद है, बल्कि सरदार पटेल के एकजुट भारत के सपने को भी बल प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने भारत की आजादी और आज के भारत की अखंडता में सरदार पटेल के महान योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने ब्रिटिश सत्ता के षड्यंत्र को बेनकाब करके 563 से अधिक रियासतों को भारत गणराज्य में मिलाया।

प्रधानमंत्री का देशवासियों को दिवाली तोहफा

स्वास्थ्य क्षेत्र में 12850 करोड़ रु. की परियोजनाओं का शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने धन्वंतरि जयंती और धनतेरस के दिन देश के सभी 70 साल से ऊपर के बुजुर्गों को दिवाली का तोहफा दिया है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान (एआईआईए) में आयोजित समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लगभग 12,850 करोड़ रुपये की लागत वाली विभिन्न स्वास्थ्य परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके साथ ही आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 70 साल और इससे ज्यादा की उम्र वाले सभी लोगों के लिए हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा शुरू कर दी गई है। योजना के तहत सालाना 5 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज के अलावा आसान और किफायती इलाज मिलेगा। 70 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों के लिए आयुष्मान भारत योजना

शुरू करने को पिछले महीने ही कैबिनेट ने मंजूरी दी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस योजना के लाभार्थियों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जनआरोग्य (एबी-पीएमजेएवाई) कार्ड भी सौंपा।

अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के चरण-दो का उद्घाटन

समारोह में प्रधानमंत्री ने स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए कई स्वास्थ्य संस्थानों का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जिसमें पहले अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के चरण-दो का उद्घाटन शामिल है। इस चरण में, एक पंचकर्म अस्पताल, औषधि निर्माण के लिए एक आयुर्वेदिक फार्मेसी, एक खेल चिकित्सा इकाई, एक केंद्रीय पुस्तकालय, एक आईटी और स्टार्ट-अप इनक्यूबेशन सेंटर और 500 सीटों वाला ऑडिटोरियम शामिल है। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मध्य प्रदेश के मंदसौर, नीमच और सिवनी में तीन मेडिकल कॉलेजों का भी उद्घाटन किया। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश के बिलासपुर, पश्चिम बंगाल के कल्याणी, बिहार के पटना, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, मध्य प्रदेश के भोपाल, असम के गुवाहाटी और नई दिल्ली विभिन्न एम्स में सुविधा और सेवा विस्तार का उद्घाटन भी किया, जिसमें एक जन औषधि केंद्र भी शामिल है।

वक्फ नोटिस के चलते किसी किसान को बेदखल नहीं किया जाएगाः सिद्धारमैया

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने आज कहा

कि वक्फ संबंधित नोटिस के चलते किसी भी किसान को उसकी जमीन से बेदखल नहीं किया जाएगा। अगर किसानों को नोटिस जारी किया गया है तो उसे वापस लिया जाएगा। उन्होंने विजयपुर, यादगिरि और धारवाड़ जिलों में वक्फ संपत्ति के रूप में किसानों को दिए गए नोटिस के बारे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान एक प्रश्न का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्व मंत्री कृष्णाबैरे गौड़ा, विजयपुर जिला प्रभारी मंत्री एमबी पाटिल और वक्फ मंत्री जमीर अहमद ने कल संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बारे में सफाई दी है।

भारत को विकास के उच्च स्तर को जारी रखने के लिए निजी निवेश को आकर्षित करने की आवश्यकता : राष्ट्रपति

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत को प्रति व्यक्ति आय के स्तर को बढ़ाने और अशांत वैश्विक वातावरण के बीच भी विकास के उच्च स्तर को जारी रखने के लिए निजी निवेश को आकर्षित करने की आवश्यकता है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आज राष्ट्रपति भवन में उनसे मिलने आए भारतीय व्यापार सेवा और भारतीय लागत लेखा सेवा के प्रोबेशनर्स को संबोधित कर रही थीं।

इस अवसर पर राष्ट्रपति ने कहा कि वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की तीव्र आर्थिक वृद्धि के साथ, भारतीय अर्थव्यवस्था भू-राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने में लचीलापन प्रदर्शित कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की कई पहल विकास के लिए एक सक्षम पारिस्थितिकी तंत्र बना रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि विनिर्माण को बढ़ावा देने पर सरकार के बढ़ते फोकस के साथ भारतीय व्यापार सेवा के अधिकारियों की यह जिम्मेदारी होगी कि वे सीमाओं के पार व्यापार बढ़ाने के लिए अनुकूल माहौल और बुनियादी ढांचे के निर्माण को सुगम बनाएं। उनसे व्यापार

वार्ता में नए आयाम लाने, नवीन नीतियां बनाने और भारत के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए नई गति प्रदान करने की अपेक्षा की जाती है। उन्होंने भारतीय व्यापार सेवा के अधिकारियों को याद दिलाया कि वे भारत के विकास को गति देने और बड़े पैमाने पर लोगों के जीवन पर प्रभाव डालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय लागत लेखा सेवा के अधिकारी सरकारी कार्यों, योजनाओं और परियोजनाओं में व्यय को तर्कसंगत बनाने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं, साथ ही राजस्व का पारदर्शी मूल्यांकन सुनिश्चित करते हैं। उनसे जटिल वित्तीय और लागत प्रबंधन मुद्दों को संभालने की कुशलता की अपेक्षा की जाती है।

पूर्वी लद्दाख सीमा पर भारत और चीन के सैनिक वापस लौटे, अपने-अपने सीमा क्षेत्रों में कर सकेंगे गश्त

एजेंसी

श्रीनगर। पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच सैनिकों की वापसी की प्रक्रिया पूरी हो गई। इस प्रक्रिया के बाद दोनों देशों के सेनाओं ने एक-दूसरे की स्थिति का सत्यापन और बुनियादी ढांचे को खत्म करना शुरू कर दिया। सूत्रों ने बताया कि देपसांग मैदानों और डेमचोक में अस्थायी ढांचों को हटाने का काम लगभग पूरा हो चुका है और दोनों पक्षों की ओर से कुछ हद तक सत्यापन भी हो चुका है। सत्यापन प्रक्रिया भौतिक रूप से और मानव रहित हवाई वाहनों (यूएवी) का उपयोग करके की जा रही है।इस समझौते के बाद दोनों देशों के सैनिक अपनी पिछली तैनाती वाली जगहों से पीछे हटकर तैनात हो गए हैं। अप्रैल 2020 से अब तक विवाद वाली जगहों पर 10 से 15 सैनिकों की छोटी टुकड़ियां गश्त करेंगी। बता दें कि साढ़े चार साल पहले चीनी घुसपैठ के बाद से भारत और चीन के बीच पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य गतिरोध बना हुआ है।इस मुद्दे पर भारत ने पिछले हफ्ते चीन के साथ डेपसांग प्लेन्स और डेमचोक में सैनिकों की गश्त को लेकर समझौता

किया था। उसके चार दिन बाद दोनों देशों ने विवादित जगहों से अपने सैनिकों को वापस बुला लिया है। बीजिंग ने भी इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि इस समझौते के बाद चीनी और भारतीय सैनिकों ने अपने-अपने काम सुचारू रूप से शुरू कर दिए हैं। सेना के सूत्रों ने बताया कि सत्यापन प्रक्रिया पूरी होने के बाद समझौते के अनुसार अगले दो दिनों में गश्त शुरू हो जाएगी। दोनों पक्षों को पहले से सूचित कर दिया जाएगा ताकि आपसी विवाद की स्थिति दोबारा पैदा न हो। उल्लेखनीय है कि भारतीय सैनिक अब देपसांग के मैदानों में विवादित स्थानों पर गश्त कर सकेंगे। समझौते से पहले चीनी सैनिक भारतीय सीमा बल को गश्त करने के लिए उन क्षेत्रों में पहुंचने से रोक रहे थे। भारतीय सैनिक अब डेमचोक में ट्रैक जंक्शन और चारडिंग नाला पर गश्त कर सकेंगे।

सीकर में पुलिया से टकराई बस, 12 लोगों की मौत, सीएम ने दुख जताया

एजेंसी

सीकर। सीकर जिले के लक्ष्मणगढ़ इलाके में एक बस पुलिया से टकरा गई। इस हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। इस हादसे पर मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने दुख जताया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बस सालासर से लक्ष्मणगढ़ आ रही थी। इस दौरान बस अनियंत्रित होकर लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में पुलिया से टकरा गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए लक्ष्मणगढ़ के सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हालांकि, कई लोगों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें सीकर के कल्याण अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सीएम भजन लाल शर्मा ने इस हादसे पर दुख जताया है। सीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, -सीकर के लक्ष्मणगढ़ क्षेत्र में बस दुर्घटना में हुई जनहानि

अत्यंत दुखद एवं हृदयविदारक है। मेरी गहरी संवेदनाएं मृतकों के शोक संतप्त परिवारजनों के साथ हैं। संबंधित अधिकारियों को घायलों का समुचित उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ दें। ओम शांति।

वहीं राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, सीकर राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए सड़क हादसे की खबर में कई लोगों की हुई असमय मृत्यु अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। ईश्वर से प्रार्थना करती हूं कि वे दिवंगत आत्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और उनके परिजनों को इस असीम पीड़ा को सहन करने की शक्ति दें। इस घटना में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं। जिला कलेक्टर मुकुल शर्मा और पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण ने अस्पताल पहुंचकर घायलों का हालचाल जाना और राहत कार्यों का जायजा लिया। प्रशासन ने हादसे के कारणों की जांच के आदेश दे दिए हैं। साथ ही, मृतकों के परिजनों के लिए मुआवजे की घोषणा की जा सकती है। इस हादसे ने दीपावली के उल्लास को मातम में बदल दिया है, जिससे पूरे क्षेत्र में गमगीन माहौल है। स्थिति पर नजर रखने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी अस्पताल में डटे हुए हैं, ताकि घायलों को हरसंभव मदद उपलब्ध कराई जा सके।

सीकर सड़क हादसे पर प्रधानमंत्री ने जताया शोक, अनुग्रह राशि की घोषणा

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री ने राजस्थान के सीकर में हुए सड़क हादसे पर शोक व्यक्त करते हुए अनुग्रह राशि की घोषणा की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पोस्ट में कहा कि राजस्थान के सीकर में हुआ बस हादसा हृदयविदारक है। इसमें जान गंवाने वालों के परिजनों के प्रति उनकी गहरी शोक-संवेदनाएं हैं। ईश्वर उन्हें इस पीड़ा को सहने का संबल प्रदान करे। इसके साथ ही वे सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में जुटा है। एक अन्य पोस्ट में उन्होंने कहा कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से 2 लाख रुपये रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। इसके अलावा प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये दिए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि राजस्थान के सीकर के लक्ष्मणगढ़ में हुए सड़क हादसे में

आठ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है। हादसा तब हुआ जब एक प्राइवेट बस तेज गति से पुलिया से जा टकराई। हादसे में 24 लोग घायल हुए हैं।

भारत के आयुर्वेद की ऋणी है पूरी दुनियाः शर्मा

चूरू। धन्वंतरि दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय पर नया बास स्थित शिवम आयुर्वेदिक स्टोर में धन्वंतरि भगवान की पूजा कर आयुर्वेद की महत्ता पर गोष्ठी आयोजित की गई। इस मौके पर आयुर्वेद विशेषज्ञ वैद्य रामावतार शर्मा ने कहा कि समूचा विश्व आयुर्वेद के लिए भारत का ऋणी है। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद एक चिकित्सा पद्धति मात्र नहीं होकर एक जीवन शैली है जो व्यक्ति के स्वस्थ जीवन के लिए एक दिनचर्या निर्धारित करती है। उन्होंने कहा कि यदि हम आयुर्वेद में बताए आहार-विहार का पालन करें और उसमें बताई दिनचर्या पर चलें तो हमारे बीमार पड़ने की आशंकाएं ही लगभग खत्म हो जाती है। हीरालाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे। संचालक नवीन शर्मा ने आभार जताया।

टीएमसी ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र, अमित शाह पर आचार संहिता के उल्लंघन का आरोप

एजेंसी

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) को पत्र लिखकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के उल्लंघन का आरोप लगाया। आईएएनएस को हासिल पत्र में टीएमसी ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता में स्पष्ट रूप से निर्देश दिया गया है कि मंत्रियों को अपने आधिकारिक दौरे और चुनाव प्रचार कार्य को एक साथ करना चाहिए। सत्तारूढ़ पार्टी के हित को आगे बढ़ाने के लिए चुनाव प्रचार कार्य के दौरान सरकारी मशीनरी या निजी मशीनरी का उपयोग नहीं करना चाहिए।पत्र में कहा गया है, निर्देशों का दायरा उत्तर 24 परगना के अंतर्गत आने वाले हरोआ और नैहाटी निर्वाचन क्षेत्रों के प्रशासनिक जिलों को कवर करता है, इसके बावजूद अमित शाह ने 27 अक्टूबर को उत्तर 24 परगना के पेट्रापोल में एक आधिकारिक कार्यक्रम में राजनीतिक टिप्पणी की।

पत्र में पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष सुब्रत बख्शी ने दावा किया कि पेट्रापोल कार्यक्रम में आधिकारिक संबोधन के दौरान अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को बदनाम करने के इरादे से उनके खिलाफ %अपमानजनक% टिप्पणी की।पत्र में कहा गया है कि साल 2026 में परिवर्तन का आह्वान करने वाली राजनीतिक रूप से आरोपित टिप्पणियां किसी भी तरह से उक्त घटना से जुड़ी नहीं थीं। इससे आधिकारिक कार्यक्रमों और चुनाव प्रचार कार्य के बीच रेखा बनाए रखने के केंद्रीय गृह मंत्री के इरादे पर गंभीर संदेह पैदा होता है।

बख्शी ने दावा किया कि यह आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) के प्रावधानों का खुला उल्लंघन है। उन्होंने चुनाव आयोग से अमित शाह को कारण बताओ नोटिस जारी करने, संबंधित पक्षों तथा उन्हें और अन्य भाजपा नेताओं को उपचुनावों से पहले आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन न करने के लिए उचित निर्देश जारी करने का अनुरोध किया है।

केदारनाथ धाम के क्षेत्र रक्षक भुकुंट भैरवनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद

एजेंसी

केदारनाथ। केदारनाथ धाम के क्षेत्र रक्षक भुकुंट भैरवनाथ के कपाट विधिविधान के साथ शीतकाल के लिए बंद हो गए हैं। इस अवसर पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं ने भुकुंट भैरवनाथ का आशीर्वाद लिया। केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने से पूर्व भैरवनाथ के कपाट मंगलवार या शनिवार को बंद किए जाने की परम्परा है, जिसका पालन सदियों से किया जा रहा है। केदार बाबा के कपाट बंद से पहले अपराहन डेढ़ बजे भगवान केदारनाथ के द्वारपाल रक्षक भुकुंट भैरवनाथ के कपाट शीतकाल के लिए विधि-विधान के साथ पूजन अर्चन करने के बाद बंद कर दिए गए। केदारनाथ मंदिर से पुजारी शिवशंकर लिंग सहित बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अधिकारीगण, तीर्थ पुरोहित समाज

तथा पंचपंडा समिति के पदाधिकारीगण, भैरवनाथ मंदिर पहुंचे तथा भुकुंट भैरवनाथ के जलाभिषेक के बाद पूजा-अर्चना कर भोग समर्पित किया और हवन यज्ञ भी किया गया। इस अवसर पर विश्व कल्याण तथा चारधाम यात्रा के निर्विघ्न समापन की प्रार्थना की गई। इसके पश्चात अपराहन डेढ़ बजे भगवान भैरवनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। बीकेटीसी मीडिया प्रभारी डॉ हरीश गौड़ ने बताया कि भैयादूज पर्व पर केदारनाथ धाम के कपाट शीतकाल के लिए बंद हो जाएंगे। बाबा केदारनाथ के कपाट बंद होने से पूर्व भैरवनाथ के कपाट बंद करने की परम्परा है।

केदारनाथ धाम के कपाट भैयादूज 3 नवंबर को शीतकाल के लिए बंद हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि इस वर्ष अब तक केदारनाथ धाम पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या साढ़े 15 लाख से ज्यादा हो चुकी है। इन दिनों प्रतिदिन 19 से 20 हजार के करीब श्रद्धालु केदारनाथ धाम दर्शन को पहुंच रहे हैं।

भाजपा के एतराज के बावजूद एनसीपी ने नवाब मलिक को बनाया उम्मीदवार

एजेंसी

मुंबई। अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने सहयोगी दल भाजपा की आपत्ति को नजरअंदाज करते हुए पूर्व मंत्री नवाब मलिक को मानखुर्द शिवाजी नगर विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवार बना दिया। भाजपा ने चेतावनी दी है कि अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद इब्राहिम के साथ कथित संबंधों के कारण वह नवाब मलिक के लिए प्रचार नहीं करेगी।नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि थी। अणुशक्ति नगर से विधायक नवाब मलिक समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आजमी के खिलाफ मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से चुनावी किस्मत आजमाएंगे।उनकी बेटी एनसीपी उम्मीदवार सना मलिक ने अणुशक्ति नगर से चुनाव लड़ने के लिए सोमवार को अपना नामांकन दाखिल किया।नवाब मलिक ने अपनी दो बेटियों सना मलिक और नीलोफर मलिक की मौजूदगी में नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद कहा, -आज मैंने मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से एनसीपी उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया। मैंने निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर भी पर्चा दाखिल किया था।

लेकिन पार्टी ने एबी फॉर्म भेजा है, जिसे जमा किया गया और अब मैं एनसीपी का आधिकारिक उम्मीदवार हूं। अब नवाब मलिक एनसीपी के चुनाव चिन्ह घड़ी पर चुनाव लड़ेंगे। नवाब मलिक ने कहा, मुझे पार्टी का उम्मीदवार बनाने पर मैं अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे का शुक्रगुजार हूं। उन्हें मुझ पर भरोसा है। मतदाता पूरे दिल से मेरा समर्थन करेंगे। मैं मानखुर्द शिवाजी नगर निर्वाचन क्षेत्र से जीतूंगा। दरअसल एनसीपी का यह कदम इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि बीजेपी ने मलिक के नामांकन पर कड़ी आपत्ति जताई है। मुंबई इकाई के भाजपा अध्यक्ष आशीष शेलार ने मलिक के नामांकन का विरोध करते हुए कहा कि बीजेपी उनके लिए प्रचार नहीं करेगी।शेलार ने कहा, हम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े किसी व्यक्ति को टिकट देना स्वीकार नहीं करेंगे। हम नवाब मलिक का समर्थन नहीं करेंगे और हमारा रुख अलग होगा। नवाब मलिक फिलहाल मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मेडिकल बेल पर हैं। नवाब मलिक महाविकास अघाड़ी सरकार में मंत्री थे और उन्हें 2022 में एनआईए द्वारा गिरफ्तार किया गया था। जून 2023 में अजित पवार के अपने चाचा के नेतृत्व वाली एनसीपी से बाहर चले जाने के बाद मलिक शरद पवार गुट को छोड़कर अजित पवार के खेमे में शामिल हो गए थे।

रिढ़ार के कलियर शरीफ में बांग्लादेशी गिरफ्तार, 4 महीने पहले बेनापुर बॉर्डर से अवैध रूप से घुसा था

एजेंसी

हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस ने एक बांग्लादेशी घुसपैठिए को पिरान कलियर क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार बांग्लादेशी बिना वीजा व पासपोर्ट के अवैध रूप से भारत में घुसा था। कलियर पुलिस व अभिसूचना इकाई द्वारा संयुक्त चेकिंग अभियान के दौरान भाषा व बोलचाल में शक होने पर आरोपित से सख्ती से पूछताछ की गई तो उसने अपना नाम दुगु शेख पुत्र अलाउद्दीन निवासी बांग्लादेश बताया। शेख 4 माह पूर्व बंग्लादेश से पैसा कमाने के लिए

बेनापुर बॉर्डर पार कर भारत आया था। कुछ समय महाराष्ट्र में रहने के बाद दिनांक 27 अक्टूबर को ट्रेन से रुड़की पहुँचा और वहां से कलियर शरीफ आ गया। पूछताछ के दौरान आरोपित अपनी आईडी, वीजा और पासपोर्ट नहीं दिखा सका। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण स्वप्न कुमार सिंह ने बताया कि पूछताछ के बाद पुलिस टीम द्वारा आरोपित के खिलाफ विदेशी अधिनियम व पासपोर्ट अधिनियम सहित कई अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया गया।

दीपावली पर्व पर ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ताओं को दिया सस्ती बिजली का उपहार

दीपावली पर्व पर ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ताओं को दिया सस्ती बिजली का घर-दुकान में स्मार्ट मीटर पर बिल में छूट,ड़ ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर का ऐलान

महेंद्र शर्मा उप संपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने दीपावली पर्व पर बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी है। बकौल ऊर्जा मंत्री प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं को अब बहुत जल्द सस्ती बिजली मिलने वाली है। यानी अब बिजली के भारी भरकम बिलों से राहत मिलेगी। शनिवार को ग्वालियर रेसकोर्स रोड स्थित अपने सरकारी कार्यालय पर कुछ खास खबरनवीसों से बतियाते हुए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस खासबात का ऐलान किया है। उन्होंने कहा है कि हर घर और दुकान में स्मार्ट मीटर बिजली लगवाने पर ऊर्जा प्रभार में 20 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

स्मार्ट मीटर पर बिजली बिल में छूट-ऊर्जा विभाग ने उद्योगों और उपभोक्ताओं को स्मार्ट मीटर लगवाने को प्रेरित करने के लिए नया टैरिफ प्लान तैयार किया है। मध्यप्रदेश में उद्योगों को एक अप्रैल से विद्युत प्रभार में 20 फीसदी की छूट दी जा रही है।जो सुबह सुबह 9 से शाम 5 बजे तक रहेगी। वहीं स्मार्ट मीटर लगाने वाले घरेलू उपभोक्ताओं को अगले साल एक अप्रैल से ऊर्जा प्रभार में 20 फीसदी छूट मिलेगी। जो सुबह 9 से 5 बजे तक रहेगी। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा, कि मध्यप्रदेश बड़े शहरों भोपाल, इंदौर और जबलपुर में अब तक 8 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। उन्होंने इसे क्रांतिकारी कदम बताया है।

नया टैरिफ प्लान-बिजली कंपनी ने बिजली बिल को लेकर नया प्लान तैयार ड़किया है। जिसके अनुसार अब 1 अप्रैल से 20 प्रतिशत सस्ती बिजली मिलेगी। आपको बता दें रात के टैरिफ में कोई बदलाव नहीं किया गया है।ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इसे क्रांतिकारी परिवर्तन बताया है।ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के मुताबिक 1 अप्रैल 2025 से मध्य प्रदेश के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को सुबह 9 से शाम 5 बजे तक 20 प्रतिशत कम दामों पर बिजली मिलेगी, लेकिन रात में इस टैरिफ में कोई बदलाव नहीं किया गया है। ऐसा इसलिए संभव है क्योंकि मध्य प्रदेश में सोलर से प्रतिदिन 2,380 मेगावाट बिजली का उत्पादन हो रहा है। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर आगे बताते हैं कि अभी अप्रैल 2024 से 10 मेगावाट या उससे अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं को दिन में 20 प्रतिशत कम दर पर बिजली मिल रही है। उन्होंने कहा कि बड़े शहरों भोपाल इंदौर जबलपुर में स्मार्ट मीटर लगे हैं, उन उपभोक्ताओं को इसका लाभ मिलेगा।

अभी लग चुके हैं 8 लाख स्मार्ट मीटर-ऊर्जा मंत्री ने बताया कि मध्य प्रदेश में अभी तक 8 लाख स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। इसमें जबलपुर पूर्व क्षेत्र में 4.50 लाख, इंदौर में पश्चिम क्षेत्र में 3.25 लाख, भोपाल में 25 दिन से स्मार्ट

मीटर लगना शुरू हुए हैं।

योजना से जुड़े कुछ प्रमुख सवाल-जवाब-

सवाल-घर-दुकान में दिन में जलने वाली बिजली की गणना बिल में कैसे होगी.

जबाव-आमतौर पर सामान्य दिनों में घर और बाजार में बिजली की खपत दिन के समय यानी सुबह 9:00 से शाम 5:00 बजे की बीच रात के समय के मुकाबले कम होती है। चाहे घरेलू बिजली उपभोक्ता हों या व्यावसायिक संस्थान, इन दोनों प्रकार के बिजली उपभोक्ताओं की खपत रात की अपेक्षा दिन में कम होती है।बिजली उपभोक्ताओं के घरों और दुकानों में स्मार्ट मीटर लगने के बाद दिन के समय होने वाली बिजली की खपत की बिलिंग अलग से के कैलकुलेट करना संभव होगा। यानी आप रोजाना किस समय कितनी बिजली की खपत कर रहे हैं, उसकी समय के अनुसार बिलिंग करना स्मार्ट मीटर से आसान हो जाएगा।

सवाल- बिजली बिल में छूट का लाभ कैसे मिलेगा

जबाव- अलावा आप अपने घर या व्यावसायिक संस्थान में बिजली का कोई ऐसा उपयोग जो रात के समय करते हैं उसे यदि बदलकर दिन के समय शिफ्ट किया जाए तो आप स्मार्ट मीटर के जरिए ऊर्जा प्रभार में 20 फ़ीसदी छूट का लाभ ले सकेंगे।

सवाल- बिजली बिल में ऊर्जा प्रभार की गणना कैसे की जाती है.

जबाव- वर्तमान व्यवस्था में बिजली बिल में ऊर्जा प्रभार यानी एनर्जी चार्ज की गणना बिजली की खपत के स्लैब के अनुसार की जाती है। जैसे 50 यूनिट बिजली खपत के लिए अभी 4 रुपए 27 पैसे प्रति यूनिट की दर से ऊर्जा प्रभार वसूल किया जाता है। 50 यूनिट से ऊपर और 150 यूनिट तक 5 रुपए 23 पैसे प्रति यूनिट की दर से बिजली बिल में ऊर्जा प्रभार उपभोक्ताओं से वसूल किया जाता है।151 यूनिट से ऊपर और 300 यूनिट तक की खपत के बिल में अभी ऊर्जा प्रभार 6 रुपए 61 पैसे प्रति यूनिट की दर से वसूला जाता है। 300 यूनिट से ऊपर की बिजली खपत पर बिल में ऊर्जा प्रभार की गणना प्रति यूनिट 6 रुपए 80 पैसे की दर से की जाती है।

सवाल- हर महीने 200 यूनिट बिजली के बिल पर कैसे और कितना लाभ मिलेगा

जबाव:जहां तक इस योजना के फायदे की बात है तो बहुत स्पष्ट है कि आम लोगों की बिजली खपत घर और व्यावसायिक संस्थान दोनों में दिन के समय कम होने से इसका बहुत बड़ा आर्थिक लाभ मिलेगा ऐसा नहीं लगता। यदि हम हर महीने 200 यूनिट बिजली की खपत पर गणना करें, तो दिन में आपकी बिजली की खपत का औसत 50 से 60 यूनिट से ज्यादा नहीं होगा। इससे आप खुद कैलकुलेट कर सकते हैं की 200 यूनिट तक के बिल में आपको अधिकतम 50 से 60 यूनिट बिजली की खपत पर लगने वाले एनर्जी चार्ज में 20 फ़ीसदी की छूट मिलेगी।

सवाल- इससे बिजली कंपनियों को क्या फायदा होगाड़

जबाव-कुल मिलाकर यह प्रदेश में बिजली वितरण की व्यवस्था में नया प्रयोग है जिसमें उपभोक्ताओं को दिन के समय बिजली के उपयोग पर कुछ छूट देने का प्रावधान लागू किया जा रहा है। इस योजना से बिजली कंपनियों को रात में बिजली की खपत के बढ़ते लोड को भी दिन में कुछ हद तक शिफ्ट करने में मदद मिल सकती है।

भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत के समर्थन में करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने किया जनसंपर्क

पत्रकार सतीश परिहार

करैरा - आज विजयपुर विधानसभा उपचुनाव के तहत भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत के समर्थन में करैरा विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने ग्राम वीरपुर में बूथ स्तर के प्रमुख कार्यकर्ताओं और मतदाता बंधुओं से संवाद किया इस दौरान विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने की अपील कीविधायक रमेश प्रसाद खटीक ने अपने संबोधन में कहा कि रामनिवास रावत के नेतृत्व में विकास की नई ऊंचाइयों को छूना संभव है उन्होंने भाजपा की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ के बारे में विस्तार से बताया और कार्यकर्ताओं से एकजुटता की अपील की विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने ग्रामवासियों को विश्वास दिलाया कि भाजपा हमेशा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्पर रहेगीइस जनसंपर्क अभियान में विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने लोगों के साथ सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं को सुना, जिससे मतदाताओं में भाजपा के प्रति विश्वास और बढ़ा उन्होंने सभी से अपील की कि उपचुनाव में भाजपा को जीत दिलाने में सहयोग करें, ताकि विकास की गति को और तेज किया जा सके..!!!

विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने गोवर्धन पूजा के अवसर पर गोमाता का किया पूजन

पत्रकार सतीश परिहार

करैरा- गोवर्धन पूजा के पावन पर्व पर करैरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने मगरौनी गोशाला में विशेष समारोह आयोजित किया इस अवसर पर विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने गोवर्धन पूजन कर गोमाता का विधिपूर्वक पूजन किया विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने अपने संबोधन में कहा, गोवर्धन पूजा केवल धार्मिक आस्था का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन में प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का भी माध्यम है गोमाता हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, और हमें इनकी रक्षा एवं संवर्धन के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिएइस मौके पर उन्होंने गोशाला के व्यवस्थापक एवं स्थानीय ग्रामीणों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने इस पुनीत कार्य में योगदान दिया विधायक रमेश प्रसाद खटीक ने गोमाता के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए कहा कि गोवर्धन पूजा हमें यह सिखाता है कि हमें अपने पर्यावरण की रक्षा करनी चाहिए और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का निर्वहन करना चाहिए कार्यक्रम में अनेक स्थानीय लोग उपस्थित रहे..!!!

सीएम डॉ. यादव ने पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया के यहां गोवर्धन पूजा की, गौरवशाली पल बताया

ग्वालियर पहुंचे प्रदेश के मुखिया सीएम डॉ. मोहन यादव ने पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया के यहां गोवर्धन पूजा की, इसके बाद लाल टिपारा गौशाला में गोवर्धन व गौ पूजन किया। सीएम ने जयभान सिंह द्वारा लगातार कई वर्षों से सामूहिक गोवर्धन पूजन को संस्कृति का गौरवशाली पल बताया।ग्वालियर में पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया के घर पर गोवर्धन पूजन के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ग्वालियर में गोवर्धन पूजा का वरिष्ठ नेता जयभान सिंह पवैया ने आयोजन किया है। वह वर्षों से गोवर्धन पूजन का कार्यक्रम करते रहे हैं। यह हमारे कल्चर और संस्कृति का गौरवशाली पल है। इस बार हमने सरकारी स्तर पर गोवर्धन पूजा का निर्णय किया है। हमने वैसे ही यह निर्णय नहीं किया है कि हम दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देने, किसानों की आय को दुगना करने के लिए हम काम कर रहे है। भगवान कृष्ण को हम याद करते हैं तो याद आता है कि कैसे उस समय दूध की नदियां बहती थीं। ऐसे में इस आयोजन के लिए बधाई देता हूं।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ग्वालियर में भगतसिंह नगर स्थित पूर्व मंत्री श्री जयभान सिंह पवैया के निवास पर पहुँचकर सामूहिक गोवर्धन पूजन में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति में गौ पूजा एवं गोवर्धन पजा का विशेष महत्व है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन पर्वत धारण

कर प्रकृति से जु?ने का संदेश दिया। प्रदेश सरकार ने इसी भाव के साथ गौ संरक्षण व संवर्धन के काम को आगे ब?ाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारे देश में त्यौहार मनाने की उत्सव संस्कृति है। इसमें गोवर्धन पूजा का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा गौवंश का संरक्षण हमारी अर्थव्यवस्था की मजबूती के लिए ज़रूरी है। उन्होंने इस अवसर पर आह्वान किया कि किसान भाई गौपालन के जरिए दुग्ध व्यवसाय से जु?ें। सरकार की तरफ़ से उनको अनुदान भी दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर गोवर्धन पूजा के शुभ अवसर पर सभी को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। पूर्व मंत्री जयभान सिंह पवैया द्वारा पिछले लगभग 10 वर्षों से सामूहिक गोवर्धन पूजन का आयोजन किया जा रहा है। ग्यारहवे वर्ष पर उनके निवास पर आयोजित हुए गोवर्धन पूजन में शामिल होने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी पहुँचे। उन्होंने इस अवसर पर विधि विधान से गोवर्धन पूजा कर आरती उतारी और प्रदेश की खुशहाली के लिये कामना की। इस अवसर पर सामाजिक न्याय एवं उद्यानिकी मंत्री श्री नारायण सिंह कुशवाह, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह, पूर्व सांसद श्री विवेक नारायण शेजवलकर, नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर, भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री आशीष अग्रवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष शहर श्री अभय चौधरी व ग्रामीण श्री कौशल शर्मा, पूर्व महापौर श्रीमती समीक्षा गुप्ता, पूर्व विधायक श्री मुकेश चौधरी एवं श्री घनश्याम पिरोनिया तथा श्री यशवंत इन्द्रापुरकर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण और संभाग आयुक्त श्री मनोज खत्री, आईजी श्री अरविंद सक्सेना, डीआईजी श्री अमित सांघी, कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान व पुलिस अधीक्षक श्री धर्मवीर सिंह उपस्थित थे।

सामुदायिक सदभाव का प्रतीक है दीपावली पर्व: प्रद्युम्न सिंह तोमर

ग्वालियर। दीपावली पर्व सामुदायिक सद्भाव का प्रतीक है। दीपावली के पावन पर्व पर एकजुटता और भाईचारे का संदेश फैलाना बहुत महत्वपूर्ण है। यह संदेश दीपों के पर्व दीपावली पर ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने रेसकोर्स रोड स्थित सरकारी कार्यालय पर क्षेत्रीय नागरिकों तथा भाजपा कार्यकर्ताओं से भेंट कर दिया। कार्यक्रम में स्थानीय लोगों ने भी भारी संख्या में शिरकत की, जिन्हें ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने मिठाइ खिलाई।

दीपावली के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ऊर्जा मंत्री ने कहा कि हम सबको मिलकर अपने शहर के पर्यावरण की सुरक्षा और शहर को स्वच्छ बनाने की जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को अपने हिस्से का योगदान देना चाहिए, ताकि हम आने वाली पी?ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित कर सकें। कार्यक्रम के दौरान न केवल दीपावली की खुशियों को साझा किया गया, बल्कि लोगों के बीच सामाजिक समरसता को भी ब?ावा दिया। कार्यक्रम की समाप्ति पर सभी ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दीं

हिन्दू महासभा ने वीरांगना लोक को लेकर डॉ.भागवत, डॉ. यादव को पत्र लिखा

हिन्दू महासभा की मांग पर लक्ष्मीबाई समाधि पर डॉ.भागवत ने दी श्रद्धांजलि,

ग्वालियर । अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जयवीर भारद्वाज ने महारानी लक्ष्मीबाई समाधि स्थल को वीरांगना लोक बनाए जाने एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत जी से समाधि स्थल पर नमन करने एवं वीरांगना लोक का समर्थन करने के लिए 30 अक्टूबर को मांग की थी। मांग पूरी नहीं हुई तो 2 नवंबर से आन्दोलन के श्रीगणेश की घोषणा करेंगे जिसके फलस्वरूप डॉ मोहन भागवत जी ने आन्दोलन की घोषणा से पूर्व वीरांगना लक्ष्मीबाई जी की समाधि स्थल पर जाकर नमन कर श्रद्धासुमन अर्पित किए । हिन्दू महासभा ने स्वागत करते हुए हिंदू महासभा ने आज से अपने आंदोलन का श्रीगणेश चामुण्डा माता मंदिर पर भजनों के साथ किया है। प्रथम चरण में हिंदू महासभा ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन भागवत जी को 2 नवंबर को दोपहर 12:00 बजे हिंदू महासभा भवन,दौलतगंज में लश्कर में पत्र लिखकर भेजा है।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478